

मोपाल

25 अक्टूबर 2026

रविवार

आज का मौसम

 33.9 अधिकतम

 16.4 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

न्यूज़ विंडो

काशी में मोदी... कपड़ा फैक्ट्री का किया उद्घाटन, एयरशो देखा



वाराणसी। पीएम मोदी आज वाराणसी में हैं। उन्होंने रूपापुर में 100 करोड़ की अरविंद टेक्सटाइल मिल का उद्घाटन किया। सीएम योगी के साथ कपड़ा फैक्ट्री में घूमे। महिला कामगारों से बात की। फैक्ट्री में बने कपड़ों के बारे में अफसरों से जानकारी ली। पीएम मोदी पुलिस लाइन से सड़क मार्ग से नमो घाट के लिए रवाना हुए हैं। रास्ते में ढोल-नगाड़ों और भजनों की धुन से पीएम का स्वागत किया गया। पीएम मोदी नमो घाट पर एयर शो देखने जा रहे हैं। उनके साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मौजूद रहेंगे। एयर शो में कुल 100 विमान हिस्सा ले रहे हैं। इसमें राफेल और सुखोई जैसे 52 लड़ाकू विमान भी शामिल हैं।

3 राज्यों में ड्रग्स नेटवर्क के ठिकानों पर छापेमारी, 18 गिरफ्तार

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने आज बताया कि 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के तहत असम, मिजोरम और मणिपुर में ड्रग्स तस्करी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर कार्रवाई की गई। तीनों राज्यों में 38 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। शाह के मुताबिक, इस कार्रवाई में 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जांच में करीब 100 करोड़ के हवाला लेनदेन का पता चला। एजेंसियों ने 1,424 बैक खाते फ्रीज किए, 17.82 करोड़ की संपत्तियां अटैच कीं, 500 डेटोनेटर और 12 लाख नकद जब्त किए।

बीना यार्ड रीमॉडलिंग से रेल संचालन प्रभावित, 4 ट्रेनें निरस्त



भोपाल। बीना रेलवे स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग के बाद ट्रेनों का संचालन प्रभावित है। आज बीना-रूटियाई के बीच चलने वाली 4 मेमू ट्रेनें निरस्त हैं। वहीं, भोपाल, कटनी, कोटा, नागदा, दमोह और ललितपुर रूट की कई ट्रेनों के शुरुआती या आखिरी स्टेशन में बदलाव किया गया है। कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाने की व्यवस्था भी की गई है। रेलवे के अनुसार, बीना स्टेशन पर लाइन और प्लेटफॉर्म की उपलब्धता के साथ फिटनेस संबंधी स्थिति के कारण ये अस्थायी बदलाव किए गए हैं।

शादी से लौट रहे लोगों की कार को डंपर ने मारी टक्कर, तीन की मौत नूंह

नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। एक डीएलटी डंपर ने इको कार को टक्कर मार दी, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के मुताबिक, यह हादसा तब हुआ जब इको कार में सवार लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। इस दुर्घटना में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और शादी की खुशियां मातम में बदल गईं।

रिटायर्ड जस्टिस संजय कौल की किताब... कहा-यह एक तरह का 'प्री अप्रूवल' सिस्टम

कॉलेजियम पर फिर छिड़ी बहस... मीटिंग से पहले सरकार से राय लेते थे जस्टिस चंद्रचूड़!

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति में कॉलेजियम सिस्टम की भूमिका को लेकर एक बार फिर बहस छिड़ सकती है। पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा है कि पूर्व चीफ जस्टिस डीवाय चंद्रचूड़ के समय कुछ नामों पर कॉलेजियम की बैठक से पहले सरकार से चर्चा की जाती थी। जस्टिस कौल के अनुसार, कॉलेजियम की औपचारिक बैठक से पहले सरकार से नामों पर राय लेना नियुक्ति प्रक्रिया के लिए सही संकेत नहीं था। उन्होंने इसे सरकार से सहमति लेने यानी 'प्री अप्रूवल' व्यवस्था बताया। यह दावा जस्टिस कौल के एक इंटरव्यू और उनकी आने वाली किताब 'Without Fear of Favour' के संदर्भ में सामने आया है।

जस्टिस संजय किशन कौल ने अपनी किताब में लिखा है कि तत्कालीन चीफ जस्टिस जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम की औपचारिक बैठक होने से पहले ही सरकार से अनौपचारिक तौर पर सहमति या राय लेने की कोशिश करते थे। एक मौके का जिक्र करते हुए जस्टिस कौल ने बताया है कि सुप्रीम कोर्ट में छह पदों को भरने के लिए नियुक्तियों पर विचार हो रहा था। कॉलेजियम के सदस्य पहले पांच नामों पर सहमत थे, लेकिन बैठक के दिन जस्टिस चंद्रचूड़ ने छठा नाम भी सामने रखा। जस्टिस कौल के मुताबिक, चंद्रचूड़ ने उनसे पूछा कि क्या सरकार से फोन पर उस नाम के बारे में राय लेनी चाहिए। कौल ने इसका विरोध किया और कहा कि कॉलेजियम की बैठक के बीच ऐसा करना सही नहीं होगा। जस्टिस कौल के मुताबिक अब यह एक चलन ही बन गया है कि नामों पर चर्चा करने से पहले सरकार के

■ जस्टिस कौल के इंटरव्यू और उनकी आने वाली किताब 'Without Fear of Favour' को लेकर नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल

जस्टिस कौल ने इंटरव्यू में बताया कि उनके अनुसार, सरकार से बातचीत करना अपने आप में गलत नहीं है। उनका विरोध इस बात से था कि कॉलेजियम के औपचारिक विचार-विमर्श से पहले ही सरकार की सहमति लेने की कोशिश की जाए। उन्होंने इसे सामान्य सलाह से अलग बताते हुए कहा कि इससे भविष्य में दूसरे मुख्य न्यायाधीशों पर भी ऐसा करने का दबाव बन सकता है। उल्लेखनीय है कि कॉलेजियम सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति और तबादले की सिफारिश करने वाली वरिष्ठ जजों की व्यवस्था है। कॉलेजियम में सीजेआई के साथ चार अन्य वरिष्ठतम जज शामिल होते हैं। कॉलेजियम नामों की सिफारिश करता है, जबकि नियुक्ति का औपचारिक आदेश राष्ट्रपति जारी करते हैं।

■ 'प्री-अप्रूवल' और सलाह में अंतर

सामानजनक माहौल में चर्चा-चंद्रचूड़

जस्टिस कौल के आरोपों पर पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने द इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में कहा है उनके कार्यकाल में कॉलेजियम की बैठकें सम्मानजनक माहौल में होती थीं और विचारों पर तर्कों के साथ चर्चा की जाती थी। चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्हें किसी बैठक से जस्टिस कौल के बाहर जाने की घटना याद नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जजों की नियुक्ति में सरकार की भूमिका होती ही है, क्योंकि नियुक्ति का औपचारिक आदेश राष्ट्रपति जारी करते हैं।

साथ कोई न कोई बातचीत कर ली जाती है। मुझे लगता है कि सीजेआई चंद्रचूड़ के कार्यकाल से पहले भी ऐसा होता था और उनके बाद भी हो रहा है। यही बात मुझे परेशान करती है।

एसआईआर सॉफ्टवेयर की जानकारी देने से चुनाव आयोग का इनकार

■ कहा- ट्रेड सीक्रेट, नाम और एसआई इस्तेमाल पर पूछें थे सवाल

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां पहचानने के लिए इस्तेमाल किए गए सॉफ्टवेयर की जानकारी देने से इनकार कर दिया है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आयोग ने आरटीआई के जवाब में कहा- यह जानकारी ट्रेड सीक्रेट और इंटरलेक्चुअल प्रॉपर्टी से जुड़ी है। इसे आरटीआई कानून के तहत सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। आयोग ने यह भी साफ नहीं किया कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां पहचानने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या मशीन लर्निंग का इस्तेमाल किया गया था या नहीं।

आयोग ने RTI कानून की धारा 8 के तहत ट्रेड सीक्रेट का हवाला दिया। साथ ही कहा कि एसआईआर के लिए नया सॉफ्टवेयर न बनाया गया, न खरीदा गया। सॉफ्टवेयर खुद गड़बड़ियां पहचानता है या नहीं इसका स्पष्ट जवाब भी आयोग ने नहीं दिया है।

व्यापारियों की अपील दरकिनार... एक नवंबर को होगी विपक्ष की रैली

■ राहुल बोले- वोट चोरी किसी भी हाल में बदरत नहीं

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज एकस पर पोस्ट कर कहा कि हमारे वोट चुराए जा रहे हैं, और हम किसी भी हाल में इसे बदरत नहीं करेंगे। उन्होंने लिखा- सवाल पूछने वालों पर लाठियां चलाई गई हैं। 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली विपक्ष की रैली में छात्र, किसान, मजदूर, महिलाएं, युवा और व्यापारियों को आना चाहिए।

हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने दावा किया कि पार्टी की रैली में 10 लाख से ज्यादा लोग शामिल होंगे।

वहीं, चैबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने राहुल से इंडिया ब्लॉक की रैली टालने की अपील की थी। संगठन ने दिवाली फेस्टिवल सीजन में 10 हजार करोड़ रुपए के व्यापारिक नुकसान की चेतावनी दी है। इधर राहुल ने कहा कि बीजेपी और उनके साथियों का दिल से धन्यवाद, जो इतने उत्साह से इस कार्यक्रम का प्रचार कर रहे हैं और इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा रहे हैं।

राजनीतिक माहौल गरमाया

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले हुई इस पुलिस कार्रवाई के बाद जिले का राजनीतिक माहौल गरमा गया है। प्रशासन एक ओर कार्यक्रम की तैयारियों में जुटा है, वहीं कांग्रेस के विरोध की तैयारी ने राजनीतिक चर्चा बढ़ा दी है।

राजनीतिक तस्वीरें लेकर विरोध दर्ज कराने वाले थे। हालांकि, हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं की संख्या और पहचान को लेकर अभी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

शहडोल के चार थाना क्षेत्रों में एवशन...काले झंडे दिखाने की तैयारी कर रहे थे

सीएम के दौरे से पहले कांग्रेसी हिरासत में

शहडोल, एजेंसी। शहडोल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दौरे से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। काले झंडे दिखाने का एलान करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई शहडोल, धनपुरी, बुढ़ार और अमलाई थाना क्षेत्रों में हुई।

मुख्यमंत्री आज शहडोल पहुंच रहे हैं। वे जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र में तेंदूपत्ता बोनस बांटेंगे और करीब 400 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण भी करेंगे।

काले कपड़ों में थे कांग्रेसी: कांग्रेस ने महंगाई, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर मुख्यमंत्री का विरोध करने की तैयारी की थी। कुछ कार्यकर्ता काले कपड़े और

हमले के बाद फैसला.. 500 मंदिरों में निगरानी बढ़ेगी

अमेरिका में मंदिरों की सुरक्षा पर होंगे 100 करोड़ खर्च



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में दिवाली से पहले हिंदू मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने की तैयारी की गई है। इसके लिए करीब 100 करोड़ रुपए का फंड बनाया गया है।

यह फैसला इलिनॉय में एक मंदिर पर हमले की साजिश का पर्दाफाश होने के बाद लिया गया है। इसके तहत अमेरिका के

लगभग 500 मंदिरों और धार्मिक संस्थानों की सुरक्षा में इजाफा किया जाएगा। मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे, निगरानी वाले अलार्म और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी तैनात करने की तैयारी है। साथ ही, किसी भी अपात स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर योजना बनाई जाएगी।

19 साल के युवक ने रची थी इलिनॉय मंदिर पर हमले की साजिश

अमेरिका के इलिनॉय में 19 साल के अलेक्जेंड्रोस पापोराकिस ने नवरात्रि के दौरान हिंदू मंदिर पर हमले की साजिश रची थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। उस पर 11 अक्टूबर को भारतीय मूल के लोगों की सामूहिक हत्या की योजना बनाने का आरोप था।

पापोराकिस अपने घर से करीब 65 किमी गाड़ी चलाकर अरिारा स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी (बालाजी) मंदिर पहुंचा था। छुट्टी के दिन इस मंदिर में 3 हजार से ज्यादा श्रद्धालु आते हैं। वह अपने साथ राइफल और सैकड़ों गोलियां लेकर आया था, लेकिन राइफल जाम होने के कारण हमला नहीं कर सका। इसके बाद उसे वहां से भागना पड़ा।

आज का कार्टून

कांग्रेस की महारेली पर व्यापारियों ने जताया ऐतराज



मेट्रो एंकर

जैम्स डायसन पुरस्कार 2026 की वर्ल्ड टॉप 20 एंट्रीज में मिली जगह

20 साल की छात्रा हिमजा ने बनाई बोलकर लिखने वाली ब्रेल मशीन

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश की 20 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्रा लिंगमपल्ली हिमजा ने तकनीक की मदद से दृष्टिबाधित लोगों के लिए पढ़ने-लिखने की प्रक्रिया आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने 'रुध्रा' (RUDHRA) नाम की आवाज से संचालित होने वाली ब्रेल मशीन विकसित की है। यह उपकरण बोलकर दिए गए निर्देशों को ब्रेल में लिखने में मदद करता है। इसका उद्देश्य उन लोगों को लेखन का एक ऐसा विकल्प उपलब्ध कराना है, जिन्हें सामान्य लिखित सामग्री पढ़ने और तैयार करने में कठिनाई होती है। हिमजा की इस पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली। उनकी बनाई मशीन को जैम्स डायसन पुरस्कार 2026 की वैश्विक शीर्ष 20 प्रविष्टियों में जगह मिली है। यह पुरस्कार उन नए विचारों और आविष्कारों को सामने लाने के लिए जाना जाता है, जो रोजमर्रा की

प्रभावी और किफायती होना जरूरी

ऐसे उपकरण विद्यार्थियों के अलावा उन लोगों के लिए भी मददगार हो सकते हैं, जिन्हें अपने विचार लिखित रूप में दर्ज करने, व्यक्तिगत नोट्स बनाने या अध्ययन सामग्री तैयार करने की जरूरत होती है। इससे दृष्टिबाधित लोगों को हर काम के लिए दूसरे व्यक्ति की सहायता लेने की जरूरत कम करने में मदद मिल सकती है। साथ ही, शिक्षा और सूचना तक उनकी पहुंच बढ़ाने की दिशा में भी यह उपयोगी कदम साबित हो सकता है। हिमजा की उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उन्होंने तकनीक को एक वास्तविक सामाजिक जरूरत से जोड़ने का प्रयास किया। रुध्रा मशीन का आगे का सफर इस बात पर निर्भर करेगा कि इसे कितनी प्रभावी, सुलभ और किफायती तकनीक के रूप में विकसित किया जा सकता है।

समस्याओं का व्यावहारिक समाधान खोजने का प्रयास करते हैं।

ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित लोगों के लिए पढ़ने और लिखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसमें अक्षरों,

संख्याओं और अन्य चिह्नों को उभरे हुए बिंदुओं के विशेष संयोजन से दर्शाया जाता है। इसे पढ़ने के लिए उंगलियों से इन बिंदुओं को महसूस किया जाता है। ब्रेल में लिखने के लिए विशेष उपकरणों और

अभ्यास की जरूरत हो सकती है। ऐसे में आवाज के माध्यम से लिखने की सुविधा उपलब्ध कराना उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है, जिन्हें पारंपरिक तरीकों से लेखन करने में परेशानी होती है।

हिमजा की बनाई रुध्रा मशीन इसी जरूरत को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। इसमें उपयोगकर्ता बोलकर सामग्री दर्ज कर सकता है और मशीन उस सामग्री को ब्रेल में बदलने के लिए तैयार की गई है। इस तरह आवाज और ब्रेल के बीच तकनीकी माध्यम तैयार करने का प्रयास किया गया है। इससे दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं को अपनी बात लिखित रूप में दर्ज करने, अध्ययन सामग्री तैयार करने और जानकारी को ब्रेल के रूप में उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। जैम्स डायसन पुरस्कार की वैश्विक शीर्ष 20 प्रविष्टियों में जगह मिलना हिमजा के विचार को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान का संकेत है।

दिवाली सिर पर, पीएम आवास परिसर के पास कचरे का अंबार

भोपाल। राजधानी के वार्ड 72 स्थित मलिकखेड़ी में नगर निगम द्वारा बनाए गए प्रधानमंत्री आवास योजना के परिसरों के आसपास स्वच्छता की स्थिति काफी खराब बनी हुई है। आवासीय परिसर के विभिन्न हिस्सों में कचरे के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए हैं, जिससे क्षेत्र की साफ-सफाई पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

लोगों को बेहतर जीवन स्तर देने के लिए बनाए इस आवासीय परिसर के चारों ओर फैली गंदगी प्रबंधन की पोल खोल रही है। क्षेत्र में कचरे के उचित निपटान की व्यवस्था न होने के कारण स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से कचरा जमा होने से दुर्गंध उठ रही है,

मच्छ्रों का प्रकोप बढ़ रहा है। बीमारियों का खतरा भी गहराता जा रहा है।

निगम करे कार्रवाई

आवासीय क्षेत्रों में स्वच्छ वातावरण बनाए रखना संबंधित नागरिक निकाय (नगर निगम) की जिम्मेदारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निगम को जल्द से जल्द कदम उठाते हुए जमा कचरे को साफ करना चाहिए, नियमित सफाई सुनिश्चित करनी चाहिए और कचरे के अनियंत्रित ढेर लगने की समस्या का स्थायी समाधान निकालना चाहिए। समय पर स्वच्छता अभियान चलाने से न केवल रहवासियों को राहत मिलेगी, बल्कि इस क्षेत्र में साफ-सफाई बनाए रखने में भी मदद मिलेगी।



लोगों ने दी चेतावनी..सफाई नहीं तो आंदोलन

लोगों का कहना है कि कई बार नगर निगम को सफाई करने के लिए कहा गया है। वार्ड कार्यालय के चक्कर लगा-लगाकर लोग परेशान हैं। अब दिवाली सिर पर है, ऐसे में अब यदि जल्द ही नगर निगम के जिम्मेदारों ने सफाई नहीं करवाई तो रहवासी आंदोलन करने के लिए विवश होंगे।



लोग कचरा जलाने को विवश, प्रदूषण भी बढ़ रहा

निगम के कचरा न उठाने से जगह-जगह कचरे का अंबार लग गया है। लोग इसे अब जलाने लगे हैं। इससे पूरे इलाके में धुएं का गुबार बन रहा है। इससे वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। आलम यह है कि आसपास से गुजरना भी लोगों का मुश्किल हो रहा है। बड़े-बुजुर्गों के साथ बच्चों को सांस लेने में भी तकलीफ हो रही है।

न्यूज विडिो

रील बनाई तो रिश्तेदार ने कहा- बदनामी हुई.. लाठी-टंडों से हमला

भोपाल। छेला मंदिर थाना क्षेत्र के भानपुर में मोबाइल पर रील बनाने को लेकर हुए विवाद में किशोरी, उसकी मां और भाभी पर रॉड व डंडों से हमला कर दिया गया। अली पिता गुलाब अब्बास (17) अमन कॉलोनी, निशातपुरा में रहती है। उसके परिवार का भानपुर में रहने वाले रिश्तेदारों से विवाद था। तमन्ना ने एक रील बनाई तो दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया कि इससे परिवार की बदनामी हुई। तमन्ना मां व भाभी के साथ रिश्तेदार फरीदा के घर पहुंची। यहां विवाद हुआ और रिश्तेदार रेशमा, हामिद व बेनजीर ने रॉड-डंडों से हमला कर दिया।

चेक बाउंस होने पर लक्ष्मी रियल्टी के डायरेक्टर को 1 साल की सजा

भोपाल। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंजली सिंह की कोर्ट ने 14 लाख रुपये के बैंक बाउंस मामले के आरोपी लक्ष्मी रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर मनीष मोटवानी निवासी पंचवटी कॉलोनी एयरपोर्ट रोड को दोषी ठहरते हुए एक साल के कैद और 26.42 लाख रुपये का प्रतिफल अदा करने की सजा सुनाई है। फरियादी अजय कुमार जैन निवासी लाला लाजपत राय सोसायटी अररा कॉलोनी भोपाल ने मोटवानी से 3 जून 2014 को विपुलनेर में बन रहे 3 बीएचके फ्लैट खरीदने के लिए अनुबंध किया था। रुपए भी दे दिए। बाद में पता चला, मोटवानी कोई भवन नहीं बना रहा है। सौदा निरस्त कर रुपए मांगे तो चेक लौटाए, यह बाउंस हो गया।

कारोबारी के साथ साइबर ठगी, खाते से निकल गए 86400 रुपए

भोपाल। कोतवाली थाना क्षेत्र में सर्राफा कारोबारी के बैंक खाते से साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित के बैंक खाते से 8 ट्रॉजेक्शन में 86,400 रुपए निकले। इनमें 40,100 रुपए वापस खाते में आ गए। ईंटखेड़ी के भगवान जाट (36) सर्राफा चौक में दुकान चलाते हैं। उनके मोबाइल पर बैंक ऑफ इंडिया के मावाड़ी रोड स्थित शाखा से मैसेज आए। इनमें खाते से 7,500 रुपए के 4 ट्रॉजेक्शन की जानकारी थी। इसके बाद खाते से 16,300 रुपए कट गए। उन्होंने मोबाइल पर आए मैसेज चेक किए तो खाते से कुल 46,300 रुपए कट चुके थे। बाद में पता चला, 86,400 रुपए निकले।

देश की प्रमुख सार्वजनिक औद्योगिक संस्था में सुरक्षा पर सवाल भेल के स्टोर से 525 किलो कॉपर रोल चोरी सीसीटीवी में दो सदिग्ध कैद, 11 दिन बाद केस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

देश के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्था बीएचईएल की सुरक्षा व्यवस्था पर चोरी की बड़ी घटना ने सवाल खड़े कर दिए हैं। कारखाने के ब्लॉक नंबर-8 में मटेरियल स्टोर से 525 किलो कॉपर रोल चोरी हो गए और सुरक्षा तंत्र को भनक तक नहीं लगी। हैरानी की बात यह है कि वारदात के 11 दिन बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। चोरी गए कॉपर की कीमत 4 लाख 72 हजार रुपये बताई गई है। सीसीटीवी फुटेज में दो सदिग्ध स्टोर से कॉपर रोल ले जाते दिखाई दिए हैं। सवाल यह है कि औद्योगिक परिसर में इतनी बड़ी मात्रा में सामग्री कैसे गायब हो गई। अधिकारियों को समय पर क्यों नहीं मिली?



21 कॉपर रोल गायब, कीमत 4.72 लाख रुपए

गोविंदपुरा थाना पुलिस के मुताबिक, अवधपुरी स्थित क्रिस्टल आईडियल सिटी फेस-3 निवासी रामकुमार सिंह (39) बीएचईएल के सीएम ब्लॉक नंबर-8 में मैनेजर हैं। उन्होंने शिकायत में बताया है कि 13 अक्टूबर की सुबह साढ़े पांच बजे मटेरियल स्टोर में लगे सीसीटीवी कैमरे में दो अज्ञात व्यक्ति कॉपर

इन सवालों के जवाब नहीं

- स्टोर की निगरानी, सामग्री के रखरखाव और आवजाही की जांच की व्यवस्था में इतनी बड़ी चूक कैसे?
- क्या चोरी करने वाला औद्योगिक स्यूटिड का कर्मचारी तो नहीं?

रोल ले जाते दिखाई दिए। इसके बाद स्टोर की जांच की गई तो 25-25 किलो वजन के 21 कॉपर रोल गायब मिले। इनका वजन 525 किलो और कीमत 4.72 लाख रुपए बताई गई है। घटना के सामने आने के बाद पुलिस में इसकी शिकायत करने में अफसरों को 11 दिन क्यों लग गए? यह सवाल खड़े कर रहा है।

कोर्ट केस के नाम पर लिए रुपए, बदनाम करने की धमकी दी दोस्ती में ब्लैकमेलिंग... छात्रा से टाई लाख रुपए और सोने के कंगन एंटे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती को भरोसे में बदलकर नाबालिग छात्रा को कथित तौर पर ठगी और ब्लैकमेलिंग के जाल में फंसाया। इंस्टा पर संपर्क में आए युवक ने प्यार व शादी का भरोसा दिया, फिर खुद पर चल रहे अपराधिक मामले में वकील की फीस चुकाने के बहाने छात्रा से ढाई लाख रुपए ले लिए। मां के सोने के दो कंगन भी ले लिए। परिजनों को आपबीती बताने के बाद छात्रा ने कोतवाली थाने में केस दर्ज कराया। मुख्य आरोपी समेत 3 युवकों पर छेड़छाड़, रंगदारी व पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक, कोहिफाजा क्षेत्र की 16 वर्षीय छात्रा की अग्रस्त में इंस्टा पर कामरान से दोस्ती हुई। कामरान ने

दोस्तों के सामने छेड़छाड़

28 सितंबर को कामरान छात्रा को लेकर वनीला होटल के पास पहुंचा। वहां दो दोस्त अरशान व शिवरंजन भी थे। कामरान ने दोनों दोस्तों के सामने ही छात्रा के साथ अश्लील छेड़छाड़ की। अरशान व शिवरंजन ने छात्रा को बदनामी का डर दिखाकर और रकम देने का दबाव बनाया। डर से उसने मां के दो कंगन दे दिए।

प्यार का इजहार किया, शादी का प्रस्ताव रखा। छात्रा भरोसा करने लगी। इसका फायदा उठाकर कामरान ने कहा, उस पर एक केस है। केस लड़ने के बहाने उसने छात्रा से ढाई लाख रुपए ले लिए। छात्रा को उम्मीद थी कि वह उसकी मदद कर रही है, लेकिन परेशानी बढ़ गई।

मेट्रो एंकर

भोपाल रेल मंडल की थी-फेज मेमू ट्रेनों में सफर करने वालों को मिलेगी राहत मेमू ट्रेन में रोलर सनस्क्रीन, यात्रियों को खिड़कियों से नहीं लगेगी धूप

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल रेल मंडल की थ्री-फेज मेमू ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को तेज धूप और चकाचौंध से राहत देने की तैयारी की जा रही है। रेलवे इन ट्रेनों में 100 स्प्रिंग टाइप रोलर सन स्क्रीन लगाने जा रहा है। इसकी खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्क्रीन के लगने से दिन के समय यात्रा करने वाले यात्रियों को खिड़कियों से सीधे आने वाली धूप से बचाव मिलेगा। खासतौर पर खिड़की के पास बैठकर सफर करने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। मेमू कोच की खिड़कियों पर लगने वाली सन स्क्रीन स्प्रिंग टाइप रोलर सनस्क्रीन पर आधारित होंगी।

यात्री जरूरत के अनुसार स्क्रीन को नीचे खींचकर खिड़की को ढक सकेगे। धूप कम होने इसे आसानी से ऊपर रोल किया जा सकेगा।



पहले सैपल की जांच होगी, फिर मिलेगी मंजूरी

इस व्यवस्था से यात्रियों को धूप से बचाव के साथ अपनी सुविधा के अनुसार स्क्रीन इस्तेमाल करने का विकल्प मिलेगा। स्थायी पदों की तुलना में यह व्यवस्था अधिक सुविधाजनक होगी, क्योंकि जरूरत के मुताबिक खिड़की को ढकना और खोलना आसान रहेगा। इससे यात्रियों को सुविधा होगी।

रेलवे ने सन स्क्रीन की गुणवत्ता

सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति से पहले सैपल की जांच और मंजूरी अनिवार्य की है। संबंधित सप्लायर को पहले नमूना उपलब्ध करवाना होगा। रेलवे द्वारा सैपल की जांच कर उसे स्वीकृति दिए जाने के बाद ही पहले 100 सन स्क्रीन की आपूर्ति की जाएगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य निर्धारित गुणवत्ता और तकनीकी मानकों के अनुरूप सामग्री प्राप्त करना है।

जिला कोर्ट के बाहर आरोपी की तीमारदारी में पुलिस हथकड़ी में आरोपी ने पी सिगरेट, फोन पर बात करता रहा, देखती रही पुलिस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल की जिला अदालत के बाहर पुलिस अभिरक्षा में मौजूद हथकड़ी लगे एक आरोपी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में वह पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में खुलेआम सिगरेट पीते और मोबाइल फोन पर बात करते नजर आ रहा है। इस घटनाक्रम ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और हिरासत में रखे गए लोगों की निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो शनिवार का बताया जा रहा है, जो आज वायरल हुआ।

वीडियो में शब्द के हार्थों में हथकड़ी लगी दिखाई दे रही है। इसके बावजूद वह बेफिक्र होकर सिगरेट पीता और मोबाइल पर बातचीत करता नजर आ रहा है। इस दौरान पुलिस भी मौके पर मौजूद है।



सवाल उठ रहा है कि पुलिस अभिरक्षा में सिगरेट और फोन इस्तेमाल करने की अनुमति कैसे मिली। हालांकि इस वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फैकल्टी की डिटेल भी साझा करनी होगी कोचिंग के लिए नई गाइडलाइन, वेबसाइट पर बतानी होगी फीस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में कोचिंग सेंटरों के संचालन को पारदर्शी बनाने और विद्यार्थियों की सुरक्षा तथा मानसिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने 'मध्यप्रदेश कोचिंग केंद्र (पंजीयन एवं विनियमन) नियम, 2026' का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके तहत अब प्रदेश के सभी कोचिंग संस्थानों को कड़े नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा। इसमें कोचिंग संस्थानों के पंजीयन, शिक्षकों की योग्यता, फीस की पारदर्शिता, सुरक्षा व्यवस्था, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और शिकायतों के निराकरण से जुड़े प्रावधान शामिल हैं।

कोचिंग सेंटरों को अपनी वेबसाइट पर फीस का पूरा विवरण, शिक्षकों की जानकारी, उपलब्ध सुविधाएं और शिकायत निवारण व्यवस्था सार्वजनिक करनी होगी। संस्थानों को विद्यार्थियों की निजता का ध्यान रखते हुए सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य और करियर काउंसलिंग की व्यवस्था भी करनी होगी। विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए कुछ व्यक्तियों को ट्यूटर या सहायक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने पर भी प्रतिबंध संबंधी प्रावधान किए हैं।

शिक्षक ऐप की विसंगतियां दीपावली से पहले दूर होंगी तैयारी पूरी, 40 हजार शिक्षकों की साल के अंत में होगी पदोन्नति

भोपाल। दोपहर मेट्रो

लोक शिक्षण विभाग (डीपीआई) ने प्रदेश के 40 हजार शिक्षकों की पदोन्नति की पूरी तैयारी कर ली है। साल के अंत में यानि दिसंबर माह में शिक्षकों को पदोन्नति का तोहफा मिल सकता है। यह बात आयुक्त लोक शिक्षण से मिले शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों से हुई चर्चा में सामने आई है। प्रदेश के शिक्षकों की लंबित समस्याओं और पदोन्नति के मुद्दे पर शासकीय शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उषेंद्र कौशल और गुरुजी संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश पटेल ने लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त अभिषेक सिंह एवं संचालक कामना आचार्य से चर्चा की। इसमें ई-अटेंडेंस,

90 दिन में पंजीयन के लिए करना होगा आवेदन

नियमों के तहत कोचिंग संचालकों को 90 दिन के भीतर पंजीयन के लिए आवेदन करना होगा। पंजीयन की अवधि तीन साल निर्धारित की गई है, जिसके बाद इसका नवीनीकरण कराना जरूरी होगा। पंजीयन हस्तांतरणीय नहीं होगा। यदि किसी कोचिंग संस्थान की एक से अधिक शाखाएं हैं, तो हर शाखा को अलग कोचिंग केंद्र माना जाएगा। ऐसे में हर शाखा के लिए निर्धारित पंजीयन संबंधी नियमों का पालन करना होगा।

फीस और शिक्षकों की जानकारी देना जरूरी

कोचिंग संस्थानों को विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए जरूरी जानकारीयां सार्वजनिक करनी होंगी। इनमें संबंधित परीक्षा की तैयारी, फीस का पूरा ढांचा, शिक्षकों की योग्यता, उपलब्ध सुविधाएं और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया शामिल होगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य दाखिले से पहले विद्यार्थियों को संस्थान के बारे में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना और फीस तथा सुविधाओं को लेकर पारदर्शिता बढ़ाना है। प्रस्तावित नियमों में ट्यूटर के रूप में नियुक्त के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक निर्धारित की गई है।



शिक्षक ऐप की विसंगतियों और नियमित पदोन्नति के मुद्दे उठाए गए। आयुक्त ने शिक्षक ऐप व ई-अटेंडेंस की तकनीकी व प्रक्रियागत समस्याओं में दिवाली से पहले सुधार का प्रयास का आश्वासन दिया। इनमें अवकाश दर्ज करने, आधे दिन के अवकाश और सुबह लॉगिन समय से जुड़ी समस्याएं शामिल हैं। पदोन्नति पर आयुक्त ने स्वीकार्य कि टीईटी की बाधयता के कारण प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। विभाग दिसंबर में टीईटी कराने की तैयारी कर रहा है।

जीआई टैग प्राप्त चिन्नौर चावल का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मप्रदर्शन, विदेशी खरीदारों से सीधे संवाद का मिला अवसर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले की पहचान बन चुका जीआई टैग प्राप्त ‘बालाघाट चिन्नौर’ चावल अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी अलग पहचान स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित भारत मंडपम में आयोजित तीन दिवसीय ‘भारत अंतर्राष्ट्रीय चावल सम्मेलन 2026’ में इस सुगंधित चावल का आकर्षक प्रदर्शन किया जा रहा है। 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित इस सम्मेलन में चिन्नौर की विशिष्ट सुगंध, गुणवत्ता और पारंपरिक विशेषताओं ने चावल कारोबार से जुड़े लोगों का ध्यान

आकर्षित किया है। ‘एक जिला-एक उत्पाद’ योजना के तहत चयनित बालाघाट चिन्नौर को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड , भोपाल और कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में विशेष स्टॉल लगाया गया है। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय उत्पाद को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों तक पहुंचाना तथा निर्यात की संभावनाओं को मजबूत करना है।

भारत मंडपम में गूंजा बालाघाट के चिन्नौर का नाम, वैश्विक मंच पर महकी मप्र की पहचान

किसानों ने दुनिया के सामने रखी अपनी बात



सम्मेलन में बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व लालबर्रा चिन्नौर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड कर रही है। कंपनी के अध्यक्ष श्री ईशुपाल चौहान और संचालक सदस्य राधेलाल पटेल ने स्टॉल पर पहुंचने वाले राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय चावल निर्यातकों, व्यापारियों और प्रतिनिधियों को चिन्नौर चावल की विशेषताओं से परिचित कराया। उन्होंने चावल की प्राकृतिक सुगंध, पकने के बाद इसकी कोमलता, स्वाद और पारंपरिक महत्व की जानकारी साझा की। इस भागीदारी से स्थानीय किसान उत्पादक संगठन को अपने उत्पाद की खुबियां सीधे संभावित खरीदारों के सामने रखने का अवसर मिला है।

विदेशी बाजारों तक पहुंचने की बड़ी उम्मीद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन स्थानीय किसानों और बड़े कारोबारियों के बीच संपर्क स्थापित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। यहां FPO को भारतीय निर्यातकों के साथ-साथ विदेशी खरीदारों से बिजनेस-टू-बिजनेस संवाद करने का अवसर मिल रहा है। इससे बालाघाट के चिन्नौर चावल के लिए नए व्यापारिक संबंध विकसित होने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में जगह बनाने की संभावनाएं बढ़ सकती हैं।

धार-झाबुआ को सीएम मोहन की बड़ी सौगात

387 करोड़ रु. की सिंचाई परियोजना से 260 गांवों तक पहुंचेगा नर्मदा जल, 72 हजार किसानों को लाभ

धार, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने और किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार में 2,387.60 करोड़ रुपये से अधिक लागत की नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर सूक्ष्म उद्घन सिंचाई परियोजना की सौगात दी। इस परियोजना से धार और झाबुआ जिले के 260 गांवों की 57,422 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। इससे करीब 72 हजार किसान लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाकर 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देशभर में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2002-03 तक केवल साढ़े सात लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित थी। वर्ष 2023 तक यह रकबा बढ़कर 40 लाख हेक्टेयर हुआ और पिछले ढाई वर्षों में सरकार ने इसे 60 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि खेतों तक पानी पहुंचने से किसानों की फसलें बेहतर होती हैं और उनकी आय बढ़ाने के अवसर मिलते हैं। सरकार कृषि, उद्योग और अन्य क्षेत्रों में समग्र विकास के लिए काम कर रही है। परियोजना के तहत नर्मदा नदी से पानी उठाकर माही नदी में छोड़ा जाएगा। इसके बाद भूमिगत पाइप नहर प्रणाली से खेतों तक दबावयुक्त पानी पहुंचाया जाएगा। धार जिले की सरदारपुर तहसील के 66 गांवों में 25,422 हेक्टेयर और झाबुआ जिले के 194 गांवों में 32 हजार हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। परियोजना में 102.30 मेगावाट बिजली की खपत प्रस्तावित है। किसानों को ढाई हेक्टेयर तक के चक में 20 मीटर दबावयुक्त जल उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे स्पिंकलर और ड्रिप पद्धति से सिंचाई कर सकेंगे। इस व्यवस्था से खेतों को समतल करने की जरूरत कम होगी और पानी का अधिक उपयोगी ढंग से इस्तेमाल हो सकेगा।



पीएम मित्र पार्क से तीन लाख रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि धार को रेलवे लाइन की सौगात मिलने के साथ क्षेत्र में परिवहन और औद्योगिक विकास की संभावनाएं बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने धार में पीएम मित्र पार्क की सौगात दी है। इससे निमाड़-मालवा क्षेत्र के करीब छह लाख कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। पार्क में कपास से धागा, धागे से कपड़ा और फिर तैयार वस्त्र बनाने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। यहां उत्पादित वस्त्रों का निर्यात भी किया जाएगा। परियोजना से प्रदेश में लगभग तीन लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे क्षेत्र के युवाओं, किसानों और महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिलेंगे और पलायन कम करने में मदद मिलेगी।

किसानों और ग्रामीण परिवारों के लिए कई घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने बताया कि धार जिले में सिंचाई परियोजना के अलावा करीब 2,400 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी गई है। इनमें 25 करोड़ रुपये की लागत से चार पुलों का लोकार्पण, 15 करोड़ रुपये के विद्यालय भवन और 50 बिस्तरों वाले अस्पताल सहित अन्य कार्य शामिल हैं। इसके अलावा 188 करोड़ रुपये के 35 नए कार्यों का भूमिपूजन किया गया। अमका-झमका माता मंदिर को श्रीकृष्ण पाथेय योजना के तहत तीर्थस्थल के रूप में विकसित

किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने धार में मेडिकल कॉलेज की सौगात जल्द देने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में किसानों को लगातार सहायता दी जा रही है। कार्यक्रम में 16.70 लाख किसानों के खातों में 317.86 करोड़ रुपये की राशि अंतरित किए जाने की जानकारी दी गई। डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए 25 गाय-भैस खरीदकर डेयरी शुरू करने पर 10 लाख रुपये का अनुदान देने की योजना का भी उल्लेख किया।

अफीम नीति 2026-27

अफीम किसानों की उम्मीदों पर फिर गया पानी, भाव तो बड़े नहीं, नियम भी हो गए कड़े

मंदसौर/नीमच , दोपहर मेट्रो

वित्त मंत्रालय ने नई अफीम नीति (वर्ष 2026-27) की घोषणा की है। इस नीति से अफीम किसानों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। किसानों को कोई बड़ा आर्थिक लाभ नहीं मिला है। लंबे समय से चली आ रही अफीम के भावों में बढ़ोतरी की मांग भी पूरी नहीं हुई है।

नई नीति में नियमों को कड़ा किया गया है। इससे चीरा पद्धति के पट्टे घटने की संभावना है। वहीं, केंद्रित पोस्ट पुआल (सीपीएस) पद्धति का दायरा तेजी से बढ़ाया जाएगा। पिछले साल अफीम की औसत 4.2 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर थी। इसे बढ़ाकर अब 4.4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर कर दिया गया है। चीरा पट्टे के लिए नई शर्त रखी गई है। जिन किसानों की औसत 4.4 किलोग्राम या उससे अधिक होगी, उन्हें ही पारंपरिक चीरा लगाने वाला पट्टा मिलेगा। सीधे तौर पर 2 फीसदी औसत बढ़ा दी गई है। जिन किसानों की अफीम की औसत 3 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से कम रही है, उनके चीरे वाले लाइसेंस/पट्टे पूरी तरह काट दिए जाएंगे।

पट्टों का नया गणित- 4.4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से अधिक औसत देने वाले किसानों को 10 अरी का चीरा लगाने वाला पट्टा मिलेगा। 3 किलोग्राम से लेकर 4.4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक औसत देने वाले किसानों



सीपीएस पट्टों की वृद्धि कृषि जानकारों के अनुसार, सीपीएस पट्टों की संख्या में भारी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि 4.4 किलोग्राम से कम और 3 किलोग्राम तक औसत देने वाले पारंपरिक चीरा पद्धति के किसानों को अब अनिवार्य रूप से सीपीएस पद्धति में स्थानांतरित किया जा रहा है। आने वाले सत्र में यह बदलाव स्पष्ट दिखेगा। कड़े पैमानों के कारण किसानों में मायूसी का माहौल है। यह नीति किसानों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है।

को चीरे की बजाय सीपीएस पद्धति में 5 अरी के पट्टे दिए जाएंगे। वर्ष 1998 से 2003 तक के दो किलोग्राम प्रति औसत देने वाले किसानों को 10 अरी का चीरा लगाने वाला पट्टा मिलेगा। 3 किलोग्राम से लेकर 4.4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक औसत देने वाले किसानों

डोडा पोस्ट के नियम

डोडा पोस्ट के उत्पादन को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिन किसानों ने 800 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर या उससे अधिक डोडा पोस्ट का उत्पादन दिया है, उनके सीपीएस पट्टे बहाल किए जाएंगे। उन्हें 5 अरी का पट्टा मिलेगा। इससे कम डोडा पोस्ट देने वाले किसानों के पट्टे काट दिए जाएंगे। यह नियम डोडा पोस्ट उत्पादकों को प्रभावित करेगा।

कौन बनेगा एमपी का नया डीजीपी ?

प्रज्ञा ऋचा, वरुण कपूर और उपेंद्र जैन के नाम हैं चर्चा में

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस को जल्द ही नया पुलिस महानिदेशक मिल सकता है। वर्तमान डीजीपी कैलाश मकवाना 30 नवंबर 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उनके उत्तराधिकारी के चयन की प्रक्रिया तेज हो गई है। राज्य सरकार ने इसके लिए 12 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नाम संघ लोक सेवा आयोग को भेजे हैं। अब आयोग की प्रक्रिया के बाद तीन अधिकारियों का पैनल राज्य सरकार को भेजे जाने की संभावना है।

डीजीपी पद की दौड़ में तीन नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं। इनमें होमगार्ड की महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, जेल महानिदेशक वरुण कपूर और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के महानिदेशक उपेंद्र जैन शामिल हैं। यदि प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव के नाम पर मुहर लगती है, तो वह मध्यप्रदेश की पहली महिला डीजीपी बन सकती हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय अभी होना बाकी है। नए पुलिस प्रमुख के चयन के लिए नवंबर के पहले सप्ताह में दिल्ली में ऋष्ट की बैठक होने की संभावना है। आयोग भेजे गए नामों के सेवा रिकॉर्ड, वरिष्ठता और निर्धारित पात्रता मानकों की समीक्षा करेगा। इसके बाद तीन अधिकारियों का पैनल राज्य सरकार को भेजा जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार पैनल में शामिल नामों में से अंतिम चयन करेगी।



प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव: पहली महिला डीजीपी बने का मौका प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव 1991 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं और वर्तमान में मध्यप्रदेश होमगार्ड की महानिदेशक हैं। उनकी सामान्य सेवानिवृत्ति फरवरी 2028 में निर्धारित है। उनके चयन से प्रदेश पुलिस के इतिहास में पहली महिला डीजीपी नियुक्त होने का रास्ता खुल सकता है। हालांकि, उनकी नियुक्ति और संभावित कार्यकाल निर्धारित नियमों तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर निर्भर करेगा।

वरुण कपूर वरिष्ठता में आगे जेल महानिदेशक वरुण कपूर भी डीजीपी पद के प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। वह 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और वरिष्ठता के लिहाज से मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। उनकी सामान्य सेवानिवृत्ति मई 2027 में होनी है। उनके संभावित कार्यकाल के दौरान उज्जैन सिंहस्थ जैसे महत्वपूर्ण आयोजन हो सकते हैं।

उपेंद्र जैन भी दौड़ में शामिल आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ के महानिदेशक उपेंद्र जैन भी 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। आर्थिक अपराधों की जांच और प्रशासनिक जिम्मेदारियों का उनका अनुभव उनकी दावेदारी को महत्वपूर्ण बनाता है। उनकी सामान्य सेवानिवृत्ति अगस्त 2027 में निर्धारित है।

मुरैना में अवैध रेत-पत्थर परिवहन पर AI का पहरा

नेशनल हाईवे पर 2 ई-चेकगेट शुरू, RFID टैग हुआ अनिवार्य



मुरैना, दोपहर मेट्रो

रेत और पत्थरों के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए मुरैना जिले में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक की मदद ली जा रही है। इसके तहत मानव रहित एआई ई-चेकगेट व्यवस्था लागू की गई है। जिले में नेशनल हाईवे पर दो ई-चेकगेट शुरू किए गए हैं। ये खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की पहचान कर उनकी आवाजाही पर नजर रखेंगे और सदिध गतिविधि मिलने पर संबंधित अधिकारियों को सूचना देंगे।

पहला एआई ई-चेकगेट धौलपुर रोड स्थित अल्लाबेदी चौकी पर स्थापित किया गया है। राजघाट और बरवासिन घाट क्षेत्र से रेत का अवैध उत्खनन कर निकलने वाले वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं। वहीं, दूसरा ई-चेकगेट बानमोर कस्बे में बनाया गया है।

इस मार्ग से रेत के साथ पत्थरों का भी परिवहन होता है। दोनों स्थानों पर चेकगेट स्थापित करने का उद्देश्य खनिजों की आवाजाही की निगरानी करना और अवैध परिवहन के मामलों की पहचान करना है।

आरएफआई टैग से होगी वाहनों की पहचान- खनिज परिवहन के लिए पंजीकृत वाहनों में रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन टैग लगाया

नियमों के तहत लागू की व्यवस्था

कलेक्टर लोकेश कुमार जागिड़ ने बताया कि मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के नियम छह के उपनियम छह में निर्धारित प्रविधानों के अनुसार खनिज परिवहन में लगे पंजीकृत वाहनों में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित आरएफ टैग स्थापित किया जाना आवश्यक है। इस व्यवस्था का उद्देश्य खनिज परिवहन की सतत निगरानी करना, गतिविधियों में पारदर्शिता लाना और अवैध खनन तथा खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाना है।

अनिवार्य किया गया है। इस टैग के माध्यम से ई-चेकगेट वाहन की पहचान और खनिज परिवहन से संबंधित जानकारी का सत्यापन कर सकेगा। बिना निर्धारित टैग के खनिज से लदे वाहनों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जा सकेगी। सदिध वाहन मिलने पर ई-चेकगेट संबंधित थाने और अधिकारियों को सूचना देगा, जिससे समय पर कार्रवाई का जा सके।

प्रदेश में ई-रिक्शा के लिए बनेंगे नए नियम

केंद्र सरकार बनाएगी नई गाइडलाइन, जरूरत के अनुसार नियमों में बदलाव कर सकेंगे कलेक्टर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में ई-रिक्शा के अनियंत्रित संचालन से बिगड़ रही यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए अब राष्ट्रीय स्तर पर गाइडलाइन बनने का इंतजार है। अभी संचालन की स्पष्ट नीति नहीं होने के कारण कई शहरों में प्रमुख मार्गों और चौराहों पर जाम की स्थिति बनती है। परिवहन विभाग की ओर से ई-रिक्शा के रंग के आधार पर अलग-अलग मार्ग निर्धारित करने की तैयारी की जा रही थी। इसी बीच लगभग डेढ़ माह पहले सुग्रीम कोर्ट ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग कोर्ट ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को नीति बनाने के लिए कहा है। इसी आधार पर मप्र में परिवहन विभाग



कुछ बदलावों के साथ या ठीक उसी रूप में नीति को लागू करेगा। केंद्र की गाइडलाइन मिलने के बाद जिला स्तर पर कलेक्टर स्थानीय जरूरतों के अनुसार अतिरिक्त प्रविधान कर सकेंगे। इससे शहरों में सड़कों की चौड़ाई, यातायात दबाव और ई-रिक्शा की संख्या के हिसाब से संचालन व्यवस्था निर्धारित करने में मदद मिलेगी।

हर साल पंजीकृत हो रहे हैं 20 से 25 हजार ई-रिक्शा

बीते चार वर्षों से हर साल 20 से 25 हजार ई-रिक्शा पंजीकृत हो रहे हैं। प्रदेश में इनकी कुल संख्या एक लाख 10 हजार तक पहुंच गई है। इस संबंध में उप परिवहन आयुक्त किरण शर्मा का कहना है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की गाइडलाइन मिलने के बाद देखा जाएगा इन्हें और क्या प्रविधान किए जा सकते हैं।

मेट्रो एंकर

शहडोल के जंगल बने वन्यजीवों की जीवनरेखा

बांधवगढ़ से अचानकमार तक प्राकृतिक गलियारों की अहम कड़ी

टीकमगढ़, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश का शहडोल जिला अपनी समृद्ध वन संपदा, घने जंगलों और जैव विविधता के कारण वन्यजीव संरक्षण की दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। यहां के विस्तृत वन क्षेत्र बाघ, हाथी, तेंदुए और भालू सहित अनेक वन्यप्राणियों के लिए प्राकृतिक आवास उपलब्ध कराने के साथ विभिन्न वन क्षेत्रों के बीच आवाजाही में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्रों के बीच स्थित शहडोल के जंगल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवागमन की दृष्टि से अहम माने जाते हैं। शहडोल स्वयं टाइगर रिजर्व नहीं है, लेकिन इसके आसपास के वन क्षेत्रों का संबंध बांधवगढ़, कान्हा, संजय गांधी और छत्तीसगढ़ के अचानकमार जैसे संरक्षित वन क्षेत्रों के व्यापक परिदृश्य से



जुड़ता है। विशेष रूप से दक्षिण वन मंडल के जंगल वन्यजीवों की आवाजाही और उनके प्राकृतिक आवासों के बीच संपर्क बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन वन क्षेत्रों के बीच वन्यजीव गलियारों की मौजूदगी बाघों को नए

आवास तलाशने और हाथियों को अपने पारंपरिक मार्गों पर आगे बढ़ने में मदद कर सकती है।

शहडोल के जंगलों में साल के वृक्षों की बहुलता, प्राकृतिक जलस्रोत, पहाड़ी भूभाग और भोजन की उपलब्धता वन्यप्राणियों के लिए

वन्यजीव गलियारों पर बढ़ते दबाव से चुनौती

वन्यजीव गलियारे ऐसे प्राकृतिक मार्ग होते हैं, जो अलग-अलग जंगलों और आवासों को जोड़ते हैं। जंगलों की कटाई, सड़क निर्माण, मानवीय गतिविधियों और आवासों के विखंडन से इन मार्गों पर दबाव बढ़ सकता है। इससे वन्यजीवों की आवाजाही बाधित होने के साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष की आशंका भी बढ़ती है। इसलिए वन क्षेत्रों की निरंतरता बनाए रखना, प्राकृतिक जलस्रोतों की रक्षा करना और वन्यजीवों के पारंपरिक मार्गों को सुरक्षित रखना आवश्यक है। हाथी या बाघ दिखाई देने पर ग्रामीणों को उनके नजदीक जाने, पीछा करने अथवा उन्हें

घेरने से बचना चाहिए। ऐसी स्थिति में तत्काल वन विभाग को सूचना देना जरूरी है। वन विभाग, स्थानीय समुदायों और संबंधित एजेंसियों के समन्वय से वन्यजीवों की सुरक्षा तथा ग्रामीणों की जनसुरक्षा को बेहतर बनाया जा सकता है। शहडोल, अनूपपुर और उमरिया के वन क्षेत्र केवल प्राकृतिक गलियारों का संरक्षण बाघों, हाथियों सहित अनेक वन्यप्राणियों के सुरक्षित भविष्य और क्षेत्र की जैव विविधता बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है।

रिजर्व बाघों के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। यहां हाथियों की मौजूदगी भी संरक्षण के लिहाज से महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ की ओर से अनूपपुर और शहडोल के वन क्षेत्रों में हाथियों की आवाजाही इन जंगलों के पारिस्थितिक महत्व को रेखांकित करती है।

ब्लंडे

लाइफ

भोपाल, रविवार, 25 अक्टूबर 2026

नई शुरुआत

50 - 60

की उम्र के बाद
नई रुचियां, नए
लक्ष्य और खुद के
लिए जीना

जीवन - ज्योति

सब कुछ पाकर भी मन
अशांत क्यों रहता है?

सिस्टर शिवानी

आध्यात्मिक गुरु



बढ़ती उम्र के साथ... जिंदगी थम क्यों जाए?

उम्र का बढ़ना जिंदगी की स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन इसके साथ सपनों का छोटा होना जरूरी नहीं। अक्सर 50 से 60 वर्ष की उम्र के बीच पहुंचते-पहुंचते लोग अपने जीवन को जिम्मेदारियों के हिसाब से देखने लगते हैं। बच्चों की पढ़ाई, उनका करियर, परिवार की जरूरतें, घर और नौकरी की भागदौड़ में अपनी पसंद और शौक पीछे छूट जाते हैं। जब जिम्मेदारियों का दबाव कुछ कम होता है, तब कई लोगों को समझ नहीं आता कि अब अपने लिए क्या करें। जबकि सच यह है कि जीवन का यह पड़ाव ठहरने का नहीं, बल्कि खुद को नए सिरे से पहचानने का अवसर हो सकता है।

जिंदगी के शुरुआती वर्षों में हम अक्सर दूसरों की अपेक्षाओं के अनुसार फैसले लेते हैं। नौकरी, परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच अपनी इच्छाओं को टालते रहते हैं। लेकिन 50 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते अनुभव बढ़ जाता है, प्राथमिकताएं स्पष्ट होने लगती हैं और अपनी क्षमताओं की बेहतर समझ विकसित होती है। ऐसे में कोई संगीत सीख सकता है, कोई घूमने का अपना पुराना सपना पूरा कर सकता है, तो कोई ऐसा काम शुरू कर सकता है, जिसे करने की इच्छा वर्षों से मन में थी। सवाल उम्र का नहीं, बल्कि उस इच्छा को एक मौका देने का है।

हर उम्र की अपनी ताकत

हमारे समाज में लंबे समय तक यह माना जाता रहा है कि एक निश्चित उम्र के बाद व्यक्ति को अपनी जिंदगी में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं करने चाहिए। खासकर नौकरी, परिवार और सामाजिक प्रतिष्ठा बनाने में दशकों बिताने वाले लोग अक्सर नई शुरुआत करने से हिचकते हैं। उन्हें लगता है कि अब सीखने, प्रयोग करने या नया रास्ता चुनने का समय निकल गया है। लेकिन जीवन का अनुभव बताता है कि हर उम्र की अपनी ताकत होती है। युवावस्था में ऊर्जा और उत्साह अधिक हो सकता है, जबकि बढ़ती उम्र के साथ धैर्य, समझ और फैसले लेने की क्षमता बेहतर हो सकती है। यही खूबियां किसी नए काम की शुरुआत में मददगार बनती हैं।

यदि किसी व्यक्ति को बचपन से चित्रकारी पसंद थी, लेकिन नौकरी के कारण वह इसे समय नहीं दे पाया, तो अब वह रोज आधा घंटा चित्रकारी कर सकता है। किसी को बागवानी पसंद है, तो वह घर की छत या बालकनी से शुरुआत कर सकता है। किसी को लिखने का शौक है, तो वह अपने अनुभवों को डायरी, लेख या कहानियों के रूप में दर्ज कर सकता है। जरूरी यह नहीं कि हर शौक कमाई का साधन बने। कुछ काम केवल मन की खुशी के लिए भी किए जाने चाहिए। लाइफ कोचिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विचार यह है कि व्यक्ति अपनी पहचान को



सीखने की कोई अंतिम उम्र नहीं

तकनीक के तेजी से बदलते दौर में नई चीजें सीखने की जरूरत हर उम्र में है। मोबाइल पर नई सुविधाओं का इस्तेमाल करना, ऑनलाइन पाठ्यक्रम से कोई हुनर सीखना, संगीत या खाना बनाने की नई विधि जानना अथवा अपनी रुचि के विषय पर पढ़ना—ये सभी गतिविधियां जीवन में ताजगी ला सकती हैं।

नई शुरुआत करते समय दूसरों से अपनी तुलना करना भी जरूरी नहीं है। किसी ने 50 वर्ष की उम्र में कारोबार शुरू किया, किसी ने 60 वर्ष में यात्रा की और किसी ने इसी उम्र में कोई नई कला सीखी। इन उदाहरणों से प्रेरणा ली जा सकती है, लेकिन अपनी परिस्थितियों, स्वास्थ्य, समय और आर्थिक क्षमता के अनुसार ही आगे बढ़ना बेहतर है।



बदलाव की शुरुआत छोटी लेकिन नियमित हो

नई जिंदगी शुरू करने के लिए नौकरी छोड़ना, शहर बदलना या बड़ा निवेश करना जरूरी नहीं है। कई बार दिनचर्या में छोटे बदलाव ही पर्याप्त होते हैं। सप्ताह में एक दिन अपनी पसंद की गतिविधि के लिए तय करना, पुराने मित्र से संपर्क करना, सुबह कुछ समय प्रकृति के बीच बिताना या किसी नए विषय पर पढ़ना अच्छी शुरुआत हो सकती है। इसके साथ स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है। नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच बढ़ती उम्र में सक्रिय बने रहने में मदद कर सकते हैं। यदि कोई नई गतिविधि शारीरिक रूप से कठिन है, तो उसे अपनी क्षमता के अनुसार अपनाया जाए।

उम्र को अनुभव बनाएं, सीमा नहीं

40, 50 या 60 वर्ष की उम्र जीवन का अंतिम अध्याय नहीं है। यह वह समय हो सकता है, जब व्यक्ति दूसरों की अपेक्षाओं के साथ-साथ अपनी इच्छाओं को भी महत्व देना सीखता है। बीते वर्षों का अनुभव, रिश्तों की समझ और जीवन की प्राथमिकताओं का ज्ञान इस दौर को नई दिशा दे सकता है। हर दिन कोई बड़ा बदलाव लाना संभव नहीं, लेकिन हर दिन अपने लिए थोड़ा समय निकालना संभव है। कोई नया शौक, कोई अधूरा सपना, कोई पुरानी दोस्ती या कोई नया लक्ष्य जीवन में उत्साह लौटा सकता है। आखिरकार, उम्र कैलेंडर में दर्ज वर्षों का हिसाब है, जिंदगी जीने की इच्छा का नहीं।

केवल नौकरी, पद या पारिवारिक भूमिका तक सीमित न रखे। इस नजरिए से देखा जाए तो 40 से 60 वर्ष की उम्र आत्ममंथन और नए लक्ष्य तय करने का अच्छा अवसर हो सकती है।

उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति नई भाषा सीखना चाहता है तो रोज 15 से 20 मिनट अभ्यास कर सकता है। यात्रा का शौक रखने वाला व्यक्ति पहले आसपास की जगहों को देखने की योजना बना सकता है। सामाजिक काम में रुचि रखने वाला व्यक्ति किसी पुस्तकालय, शिक्षण केंद्र या जरूरतमंद बच्चों की मदद करने वाली संस्था से जुड़ सकता है।

नॉलेज स्टोरी

जानवरों से इंसान तक पहुंचा शमोंडा वायरस, फ्रांस के मामले ने बढ़ाई चिंता

शमोंडा वायरस अब तक मुख्य रूप से गायों और दूसरे जानवरों में पाया जाता था, लेकिन फ्रांस में पहली बार एक इंसान में इसका संक्रमण सामने आया। मरीज की अक्टूबर 2025 की शुरुआत में मौत हो गई थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि मौत वायरस के कारण हुई या पहले से मौजूद गंभीर बीमारी के चलते। फ्रांस के स्वास्थ्य और कृषि मंत्रालय ने अक्टूबर 2026 में इस मामले की जानकारी दी। मरीज की रोगों से लड़ने की क्षमता बहुत कमजोर थी। अधिकारियों के अनुसार,



यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे पहले इंसानों में शमोंडा वायरस के संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई थी। वैज्ञानिक अब यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि वायरस इंसान तक कैसे पहुंचा और क्या खास परिस्थितियों में यह दूसरे लोगों को भी संक्रमित कर सकता है।

शमोंडा वायरस उन विषाणुओं के समूह से जुड़ा है, जो कुछ छोटे, खून चूसने वाले कीड़ों के जरिए फैल सकते हैं। इनमें कुलिकोइड्स नाम की बेहद छोटी मक्खियां शामिल हैं। इसे पहली बार 1965 में नाइजीरिया में गायों से अलग किया गया

था। बाद में अफ्रीका और एशिया के कुछ हिस्सों में पशुओं में इससे जुड़े मामले सामने आए। गायों के अलावा भेड़, बकरी और घोड़ों जैसे जानवरों में भी इससे जुड़े संक्रमण की जानकारी मिली है। हालांकि, अलग-अलग पशुओं में इसके प्रभाव और बीमारी की गंभीरता को समझने के लिए और अध्ययन की जरूरत है।

पशुओं में क्या दिखते हैं लक्षण?

गायों में शमोंडा वायरस से जुड़े संक्रमण के दौरान बुखार, सुस्ती और दस्त जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। डेयरी पशुओं में दूध का उत्पादन भी घट सकता है। वैज्ञानिक यह भी अध्ययन कर रहे हैं कि मिलते-जुलते वायरस का प्रजनन और नवजात पशुओं के स्वास्थ्य पर कोई असर पड़ता है या नहीं।

निष्कर्ष: शमोंडा वायरस का इंसान में मिलना वैज्ञानिकों के लिए सतर्कता और शोध का विषय है, लेकिन फिलहाल इसे आम लोगों के लिए बड़े खतरे के रूप में पेश करने के पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं। पशुओं में संक्रमण की निगरानी, वायरस की सही पहचान और इंसानों तक इसके पहुंचने के रास्तों का अध्ययन भविष्य में संभावित जोखिमों को समझने में मदद करेगा।

दिया कबीरा रोय

अंकित पांडे

युवा व्यंग्यकार

रमेश को कतार में खड़े होने से सख्त नफरत थी। बैंक हो, अस्पताल हो, रेलवे का टिकटघर हो या सरकारी दफ्तर, जहां भी लोगों की लंबी कतार दिखाई देती, उसका लोकतंत्र से विश्वास उठने लगता। उसे लगता कि कतार में खड़े सभी लोग अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं। हालांकि, जब कोई व्यक्ति कतार तोड़कर सीधे खिड़की तक पहुंच जाता, तब रमेश को लगता कि देश में अभी भी प्रतिभाओं की कमी नहीं है।

एक दिन रमेश बैंक पहुंचा। वहां पेंशन निकालने वालों की लंबी कतार लगी थी। वह भी चुपचाप सबसे पीछे खड़ा हो गया। तभी उसका एक परिचित वहां से गुजरा। रमेश ने उसे आवाज दी। परिचित ने हालचाल पूछा तो रमेश ने तुरंत अपनी परेशानी बताई। परिचित बोला, 'तुम यहीं रुको, अभी इंतजार करता हूं।' पांच मिनट बाद वह लौटा और रमेश को सीधे खिड़की तक ले गया।

रमेश का काम दस मिनट में हो गया। बाहर निकलते समय उसके चेहरे पर वैसी ही चमक थी, जैसी किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थी के चेहरे पर होती है। उसे गर्व था कि उसने समय बचाया है। कतार में खड़े लोगों के दो घंटे बचाने की बात उसके दिमाग में नहीं आई। उसे तो केवल अपना समय कीमती लगता था। घर पहुंचकर उसने पत्नी को पूरा किस्सा सुनाया। पत्नी ने पूछा, 'लेकिन जो लोग पीछे खड़े थे, उनका क्या हुआ?'

वायरल कंटेंट

गुजरात के गिर सोमनाथ जिले का जाम्बुर गांव अपनी अनोखी पहचान के कारण चर्चा में रहता है। इसे अक्सर 'मिनी अफ्रीका' कहा जाता है। यहां रहने वाले सिद्दी समुदाय के लोगों की जड़ें अफ्रीका से जुड़ी हैं, लेकिन उनकी भाषा, रहन-सहन और खानपान में गुजराती संस्कृति की गहरी छाप दिखाई देती है। यह गांव भारत की उस सांस्कृतिक विविधता की मिसाल है, जहां अलग-अलग महाद्वीपों की विरासत एक साथ दिखाई देती है।

सिद्दी समुदाय के पूर्वजों का संबंध अफ्रीका के बांदू समुदायों से माना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार, सदियों पहले हिंद महासागर के समुद्री रास्तों से अफ्रीकी मूल के



लोग भारत पहुंचे थे। इनमें व्यापारी, सैनिक और दूसरे कार्यों से आए लोग शामिल थे। कुछ लोगों को गुलाम या बंधुआ मजदूर बनाकर भी लाया गया था। समय के साथ इस समुदाय के लोग गुजरात सहित भारत के विभिन्न हिस्सों में बस गए। हालांकि, सिद्दी समुदाय के भारत आने के समय और जाम्बुर में उनकी बसावट को लेकर अलग-अलग ऐतिहासिक विवरण मिलते हैं। इसलिए गांव में एक हजार साल से लगातार आबादी होने के दावे को प्रमाणित इतिहास के रूप में स्वीकार करने से पहले इसकी पुष्टि जरूरी है। इतना जरूर है कि सिद्दी समुदाय की भारत में मौजूदगी कई सदियों पुरानी है। जाम्बुर में रहने वाले सिद्दी समुदाय के लोग आम बातचीत में गुजराती और हिंदी का



है? रमेश को यह सवाल पसंद नहीं आया। उसने समझाया, 'कतार व्यवस्था बनाए रखने के लिए होती है और जुगाड़ व्यवस्था से ऊपर उठने के लिए। दोनों की अपनी-अपनी उपयोगिता है।' अगले दिन रमेश बिजली का बिल जमा करने पहुंचा। वहां भी लंबी कतार थी। उसने आसपास नजर दौड़ाई। तभी उसे एक कर्मचारी का परिचित दिखाई दिया। रमेश ने मुस्कराकर हाथ मिलाया, पुरानी पहचान याद दिलाई और काम बन गया। बिल जमा करने

के बाद उसने कर्मचारी को धन्यवाद दिया। कर्मचारी ने भी मुस्कराकर कहा, 'अरे साहब, इसमें धन्यवाद कैसा! आप अपने आदमी हैं।' रमेश को 'अपने आदमी' होने का सुख मिला। वह सोचने लगा कि आखिर आदमी जीवनभर मेहनत किसलिए करता है? इसलिए कि उसके पास ऐसे

लोग हों, जिनके सामने उसे कतार में न लगना पड़े।

धीरे-धीरे जुगाड़ उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन गया। डॉक्टर के यहां पहले नंबर पर दिखाना हो, रेलवे में टिकट चाहिए हो, शादी में विशेष व्यवस्था चाहिए हो या किसी अधिकारी से काम करवाना हो, रमेश का पहला सवाल होता था—'कोई जान-पहचान है क्या?'

उसके लिए योग्यता से ज्यादा उपयोगी संपर्क थे और नियमों से ज्यादा भरोसेमंद सिफारिश। उसे यह समझने में कोई रुचि नहीं थी कि नियम सबके लिए

समान क्यों होने चाहिए। उसे बस इतना पता था कि नियमों के बीच से रास्ता निकालना एक कला है और इस कला में वह माहिर हो चुका है। एक दिन वह पासपोर्ट कार्यालय पहुंचा।

फिर भी रमेश जैसे लोगों को चिंता नहीं। उन्हें विश्वास है कि व्यवस्था रहे या न रहे, कहीं न कहीं कोई जुगाड़ जरूर निकल आएगा। आखिर कतार में खड़े होकर इंतजार करना किसे पसंद है, जब दूसरों को इंतजार करवाकर आगे निकलने में इतना आनंद आता हो!

इस्तेमाल करते हैं। उनका खानपान और पहनावा भी स्थानीय समाज से काफी मिलता-जुलता है। बाजरे की रोटी, सब्जियां और गुजरात के पारंपरिक व्यंजन उनके दैनिक भोजन का हिस्सा हैं। महिलाओं के पहनावे और श्रृंगार में भी स्थानीय परंपराओं की झलक दिखाई देती है।

जाम्बुर की खासियत केवल उसके लोगों की शारीरिक बनावट या अफ्रीकी मूल में नहीं, बल्कि इस बात में है कि यहां दो अलग सांस्कृतिक विरासतें साथ-साथ जीवित हैं। अफ्रीकी जड़ें वाला समुदाय गुजराती भाषा और भारतीय जीवनशैली के साथ अपनी पुरानी परंपराओं को भी सहेजे हुए है। यही मेल जाम्बुर को 'मिनी अफ्रीका' के नाम से पहचान दिलाता है और भारत की बहुतेगी सांस्कृतिक विरासत की एक अनोखी तस्वीर पेश करता है।

कतार में धक्के, जुगाड़ में आनंद

मंडी में चना-मसूर और गेहूं को बीज बताकर बेच रहे थे व्यापारी, प्रशासन की दबिश

एसडीएम अनुभा जैन के निर्देशन में कृषि विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण, मौके पर पंचनामा बनाकर कार्रवाई के लिए भेजा प्रतिवेदन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नवीन कृषि उपज मंडी में चना, मसूर और गेहूं जैसी कृषि उपज को बीज के रूप में किसानों को बेचने की शिकायतों पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। एसडीएम अनुभा जैन के निर्देशन एवं उपस्थिति में प्रशासन और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने मंडी स्थित विभिन्न फर्मों का निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ फर्मों पर किसानों को बीज के रूप में कृषि जिन्यों का विक्रय करते हुए पाया गया।

निरीक्षण दल में कृषि विभाग के बीज निरीक्षक सोनू सिंह लोधी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सूर्यभान सिंह थानेश्वर और मंडी निरीक्षक आकाश जैन शामिल रहे। टीम ने संबंधित फर्मों पर विक्रय की स्थिति का जायजा लिया और जहां बीज के रूप में कृषि



उपज बेची जा रही थी, वहां मौके पर पंचनामा तैयार किया। इसके अलावा अन्य फर्मों के भंडारण की स्थिति भी देखी गई। मामले में आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई है। कृषि विभाग ने रबी फसलों की बुवाई के मद्देनजर किसानों को

बीज खरीदते समय सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग ने स्पष्ट किया कि चना, मसूर, सरसों और गेहूं के बीज केवल अधिकृत बीज लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही खरीदें। खरीद के समय पक्का बिल जरूर लें, ताकि बीज की गुणवत्ता और खरीद का प्रमाण सुरक्षित रहे।

बुवाई के लिए बीज खरीदने में सावधानी बरते किसान

रबी फसलों की बुवाई के लिए किसान चना, मसूर, सरसों और गेहूं का बीज खरीदते समय विशेष सावधानी रखें। कृषि विभाग के अनुसार, बीज हमेशा अधिकृत बीज लाइसेंसधारी विक्रेता से ही खरीदना चाहिए। बाजार में कृषि उपज को बीज बताकर बेचे जाने की शिकायतों के बीच किसानों के लिए यह सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। बीज खरीदने से पहले उसकी जानकारी लें और दुकानदार से पक्का बिल अवश्य प्राप्त करें। बिल होने से खरीद का प्रमाण सुरक्षित रहता है और जरूरत पड़ने पर संबंधित विक्रेता से संपर्क किया जा सकता है।

निरीक्षण में इन बिंदुओं पर रही नजर

नवीन कृषि उपज मंडी में प्रशासन और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने विभिन्न फर्मों का निरीक्षण कर कृषि जिन्यों के विक्रय और भंडारण की स्थिति देखी। एसडीएम अनुभा जैन के निर्देशन में हुई कार्रवाई के दौरान कुछ फर्मों पर चना, मसूर और गेहूं को बीज के रूप में किसानों को बेचते हुए पाया गया। संबंधित स्थानों पर पंचनामा तैयार किया गया। निरीक्षण दल में बीज निरीक्षक सोनू सिंह लोधी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सूर्यभान सिंह थानेश्वर और मंडी निरीक्षक आकाश जैन शामिल रहे। टीम ने आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन भेजने की प्रक्रिया शुरू की।

पेंशनर्स की समस्याओं और लंबित मांगों पर आज होगा मंथन

तेंदूखेड़ा। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक रविवार, 25 अक्टूबर को दोपहर बाद एसोसिएशन कार्यालय, डॉ. खेर अस्पताल परिसर में आयोजित की जाएगी। बैठक में पेंशनर्स से जुड़ी विभिन्न समस्याओं, लंबित मांगों और हितों से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही संगठन की आामी गतिविधियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सभी सेवानिवृत्त पेंशनर्स से बैठक में समय पर उपस्थित होने की अपील की है।

न्यूज विंडो

शातिर वाहन चोर पुलिस की गिरफ्त में, दो चोरी की बाइक बरामद



मंडीदीप। रायसेन जिले के मंडीदीप में पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर वार्ड नंबर 18, राहुल नगर निवासी 27 वर्षीय शुभम यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इस दौरान आरोपी ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात करना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हीरो और टीवीएस कंपनी की दो मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। इनमें से एक बाइक छिपाकर रखी गई थी, जबकि दूसरी का उपयोग आरोपी स्वयं कर रहा था। पुलिस ने दोनों वाहनों को बरामद कर लिया है। मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे ने बताया कि बरामद मोटरसाइकिलों के संबंध में आरोपी से पूछताछ की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी अन्य वाहन चोरी की घटनाओं में शामिल रहा है या नहीं। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

ओवरब्रिज पर बसों रोकें तो खैर नहीं, आरटीओ ने दी परमिट निरस्तीकरण की चेतावनी



इटारसी। शहर में बसों के अनियमित संचालन और ओवरब्रिज से सवारियों बैठाने की शिकायतों पर परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। कलेक्टर नर्मदापुरम के निर्देश पर आरटीओ प्रमोद कापसे ने इटारसी ओवरब्रिज पर बसों का निरीक्षण किया। इस दौरान ओवरब्रिज से सवारियों का परिवहन करते पाए जाने पर संबंधित बसों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान आरटीओ ने बस संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बसों का संचालन नवीन बस स्टैंड से ही किया जाए और वहीं से सवारियों को बैठाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई बस ओवरब्रिज पर सवारी बैठाते या वहां से परिवहन करते हुए पाई गई, तो संबंधित बस का परमिट निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य ओवरब्रिज पर बसों के कारण होने वाली अव्यवस्था को रोकना और यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखना है। विभाग ने बस संचालकों को निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

वार्ड 8, 10 और 11 में जंग लगी पाइपलाइनों से सप्लाई नालियों में डूबी पेयजल लाइनें, तेंदूखेड़ा में फिर दूषित पानी का बढ़ गया खतरा!

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में पेयजल व्यवस्था की बदहाली लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा बनती जा रही है। वार्ड 8 के विद्यानगर, वार्ड 10 और वार्ड 11 में पुरानी लोहे की पेयजल पाइपलाइनें नालियों के भीतर से गुजर रही हैं। कई जगह पाइपलाइनें जंग लगी और क्षतिग्रस्त हैं, जिनमें लीकेज से नाली का दूषित पानी पेयजल में मिलने की आशंका है। नगर में पड़ताल के दौरान सामने आई स्थिति ने सवाल खड़े कर दिए हैं।

सबसे गंभीर स्थिति जबलपुर मार्ग पर हाईस्कूल के सामने है, जहां नर्मदा परियोजना की मुख्य पाइपलाइन नाले के बीच कीचड़ और कचरे के बीच पड़ी है। यह लाइन नगर के सभी 15 वार्डों में जलापूर्ति से जुड़ी है। इसमें लीकेज होने पर दूषित पानी सप्लाई में मिलने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई शिकायतों के बावजूद पुरानी पाइपलाइनों की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। गौरतलब है कि जुलाई 2025 में वार्ड 3 में दूषित पानी से उल्टी-दस्त की शिकायतों के बाद कई लोग बीमार हुए थे और अस्सु विश्वकर्मा की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। ऐसे में वर्तमान स्थिति ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। एसडीएम सीजी गोस्वामी ने कहा कि मामला सज्ञान में आया है। सीएमओ को निर्देशित कर पाइपलाइनें नालियों से हटवाने की कार्रवाई कराई जाएगी। सीएमओ प्रेम सिंह चौहान ने भी सभी वार्डों का निरीक्षण कर असुरक्षित पाइपलाइनें सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराने और लीकेज सुधारने का आश्वासन दिया है।



वार्डों में जर्जर लाइनें, हजारों लीटर पानी बर्बाद

वार्ड 10 में मनोज बेन के घर की ओर जाने वाले मार्ग पर पेयजल पाइपलाइन नाली के भीतर से गुजर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई जगह लीकेज होने से पानी लगातार बहता है और नाली में मिल जाता है। वार्ड 11 और विद्यानगर क्षेत्र में भी जंग लगी तथा क्षतिग्रस्त पाइपलाइनें नालियों के बीच से गुजर रही हैं। लोगों का कहना है कि पुरानी लाइनों की मरम्मत के बजाय अस्थायी सुधार किए जाते हैं। इससे पानी की बर्बादी के साथ दूषित पानी घरों तक पहुंचने की आशंका बनी रहती है। नागरिकों ने जर्जर लाइनों को बदलने की मांग की है।

दूषित पानी से बीमारियों का खतरा, स्थायी समाधान की मांग

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, दूषित पानी के सेवन से उल्टी-दस्त, टाइफाइड, पीलिया, हैजा और आंतों के संक्रमण जैसी बीमारियां हो सकती हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर अधिक गंभीर हो सकता है। स्थानीय निवासियों रनेश, कमल, रोहित और महेश सहित अन्य लोगों ने सभी वार्डों में पेयजल पाइपलाइनों का तकनीकी निरीक्षण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि नालियों और नालों से गुजर रही लाइनों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए तथा जंग लगी और लीकेज वाली पाइपलाइनें बदली जाएं। प्रशासन ने निरीक्षण और सुधार का आश्वासन दिया है।

रक्तदान शिविर से दिया मानव सेवा का संदेश, लिया संकल्प

गिरधर समूह संस्थान एवं गिरधर पब्लिक स्कूल में आयोजन, रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर दिया जोर

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

गिरधर समूह संस्थान एवं गिरधर पब्लिक स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए लोगों को प्रेरित करना रहा। आयोजन में संस्थान अध्यक्ष रघुनाथ पाटीदार, सचिव अरविंद पाटीदार, प्रबंध संचालक नीलेश पाण्डेय और विद्यालय प्राचार्य अनुराग मसीहा सहित शिल्पी जैन, रामशंकर ठाकुर, उज्ज्वल अरोड़ा, लोकेश पाल, शुभम दुबे और शैलेश माथुर सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर रक्तदान को मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कहा गया कि एक व्यक्ति का रक्तदान जरूरतमंद मरीज की जान बचाने में सहायक हो सकता है। संस्थान के पदाधिकारियों और सदस्यों ने इस पहल



की सराहना करते हुए समाजसेवा के कार्यों में निरंतर योगदान देने का संकल्प लिया। शिविर के माध्यम से 'रक्तदान करें, जीवन बचाएं' का संदेश दिया गया।

‘नशे से अपराध होते हैं तो सरकार इसे बंद क्यों नहीं करती?’ छात्रों के सवाल पर पुलिस ने दिया जवाब

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

‘जब शराब से अपराध होते हैं, तो सरकार इसे पूरी तरह बंद क्यों नहीं कर देती?’ आरुष एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने पुलिस अधिकारियों से यह बेबाक सवाल पूछकर सबका ध्यान आकर्षित किया। शुक्रवार को शैक्षणिक प्रोजेक्ट के तहत कक्षा 9वीं, 10वीं और 11वीं के करीब 70 छात्र-छात्राओं ने पुलिस थाना तेंदूखेड़ा और एसडीओपी कार्यालय का भ्रमण किया। इस दौरान एसडीओपी अर्चना अहीर और थाना प्रभारी सरोज ठाकुर से संवाद कर पुलिस की कार्यप्रणाली समझी।

अधिकारियों ने नशे से होने वाले नुकसान और अपराधों की जानकारी दी। इस पर विद्यार्थियों ने शराबबंदी को लेकर सवाल किया। अधिकारियों ने बताया कि शराबबंदी शासन की नीति और राजस्व से जुड़ा विषय है, जिस पर निर्णय



शासन स्तर पर होता है। पुलिस की भूमिका कानून का पालन कराने और नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता फैलाने की है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। विद्यार्थियों ने थाना परिसर में बंदी गृह, मालखाना और रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण किया। उन्हें एफआईआर दर्ज करने, अपराधों की विवेचना और कानून व्यवस्था बनाए रखने की प्रक्रिया समझाई गई। अधिकारियों ने यातायात नियमों, हेलमेट पहनने और कम उम्र में

बाइक नहीं चलाने की समझाझ भी दी। छात्राओं ने एसडीओपी अर्चना अहीर से पूछा कि वे इस पद तक कैसे पहुंचीं। उन्होंने अपराधों, पढ़ाई और कठिन प्रशिक्षण के अनुभव साझा करते हुए लक्ष्य के प्रति लगन, आत्मविश्वास और मेहनत को सफलता का मंत्र बताया। अधिकारियों ने विद्यालय के इस प्रयास की सराहना की। भ्रमण विद्यालय संचालक उमेश विश्वकर्मा, राकेश साहू और प्राचार्य राघवेंद्र शुक्ल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

बस स्टैंड शुरू होने से व्यापारियों में खुशी जनप्रतिनिधियों का जताया आभार



इटारसी। दोपहर मेट्रो

पुरानी इटारसी स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज बस स्टैंड का सुचारु संचालन शुरू होने पर व्यापारियों ने राहत जताते हुए विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे और एसडीएम नीलेश शर्मा का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। व्यापारियों को उम्मीद है कि बस स्टैंड के व्यवस्थित संचालन से आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी और शहर में यातायात जाम की समस्या भी कम होगी। नगर पालिका

ने बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन तक ऑटो का किराया 20 रुपये प्रति सवारी निर्धारित किया है। यात्रियों की सुविधा के लिए परिसर में किराए से राहत जताते हुए विधायक डॉ. इन बोर्डों पर थाना प्रभारी का संपर्क नंबर भी अंकित किया गया है, ताकि निर्धारित किराए से अधिक राशि मांगने पर यात्री पुलिस को सूचना दे सकें। बस स्टैंड पर पेयजल और प्रकाश की व्यवस्था भी की गई है, जिससे यात्रियों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी।

मेट्रो एंकर डेडलिफ्ट में जीता स्वर्ण, ग्रिफिथ्स कप इंटरनेशनल चैंपियनशिप में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

ऋषिका ने नेशनल में जीता गोल्ड, अब इंग्लैंड में दिखाएंगी दमखम



इटारसी। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर इटारसी की बेटी ऋषिका पटेल ने शहर का नाम रोशन किया है। हरियाणा के करनाल जिले के असंध में 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित नेशनल चैंपियनशिप में ऋषिका ने जूनियर वर्ग की डेडलिफ्ट स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बेस्ट प्लेयर के खिताब से भी सम्मानित किया गया। रॉ पावरलिफ्टिंग फेडरेशन इंडिया के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में देशभर के करीब 300 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा में ऋषिका ने अपनी ताकत और प्रतिभा का

प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। इटारसी के शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज की छात्रा और पत्रकार राकेश पटेल की बेटी ऋषिका अब तक राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में करीब 15 से 20 पदक जीत चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि से शहर में खुशी का माहौल है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता के बाद अब ऋषिका का अगला लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना है। 6 दिसंबर को इंग्लैंड में होने वाली ग्रिफिथ्स कप इंटरनेशनल चैंपियनशिप में वह अपनी प्रतिभा दिखाएंगी। शहरवासियों को उनसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है।

300 खिलाड़ियों के बीच चमकी ऋषिका

असंध में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर सहित कई राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में फुल पावरलिफ्टिंग, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट की स्पर्धाएं आयोजित की गईं। जूनियर वर्ग की डेडलिफ्ट स्पर्धा में ऋषिका पटेल ने दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनके प्रदर्शन से प्रभावित होकर निर्णायकों ने उन्हें बेस्ट प्लेयर के खिताब से भी नवाजा। राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह उपलब्धि उनके लिए करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव है और उनकी मेहनत व निरंतर अभ्यास का परिणाम है।

पट्टाई के साथ खेल में भी बनाई पहचान

ऋषिका पटेल इटारसी के शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में अध्ययनरत हैं। पत्रकार किरण पटेल की बेटी ऋषिका पट्टाई के साथ पावरलिफ्टिंग और डेडलिफ्टिंग में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। अब तक वह राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में करीब 15 से 20 पदक जीत चुकी हैं। 6 दिसंबर को इंग्लैंड में प्रस्तावित ग्रिफिथ्स कप इंटरनेशनल चैंपियनशिप में चयन उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गोल्ड और बेस्ट प्लेयर का सम्मान हासिल करने के बाद अब उनकी नजर अंतरराष्ट्रीय पदक पर है। शहरवासियों को उनसे देश का नाम रोशन करने की उम्मीद है।

इंदौर में तेंदुओं की हलचल से हड़कंप, पिंजरे में कैद हुआ एक तेंदुआ

क्रिसेंट वाटर पार्क के पास वन विभाग को मिली सफलता, घायल तेंदुए की तलाश जारी



न्यूज विंडो

‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ अभियान को लेकर कांग्रेस की आज अहम बैठक



नरसिंहपुर। ‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ अभियान को लेकर जिला कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक आज शाम 4 बजे सावित्री सिग्नेचर होटल, नरसिंहपुर में आयोजित की जाएगी। कांग्रेस सांसद एवं एसआइआर पर्यवेक्षक कल्याण काले के नरसिंहपुर आगमन पर होने वाली इस बैठक में अभियान की गतिविधियों और संगठन की भूमिका को लेकर चर्चा की जाएगी। बैठक में पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, लोकसभा एवं विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी, प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि और जिला कांग्रेस कार्यकारिणी के पदाधिकारी शामिल होंगे। इसके साथ ही सभी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों और नगर कांग्रेस अध्यक्षों को भी उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। बैठक का उद्देश्य अभियान को लेकर पार्टी के नेताओं और संगठन पदाधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करना तथा आगामी गतिविधियों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श करना है। कांग्रेस संगठन के विभिन्न स्तरों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में अभियान को प्रभावी बनाने से जुड़े विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। उक्त जानकारी जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता अजय दुबे और आशीष गुप्ता ने दी।

शहडोल के संयुक्त संचालक उमेश धुर्वे को राज्यस्तरीय सम्मान



शहडोल। लोक शिक्षण संभाग शहडोल के संयुक्त संचालक उमेश कुमार धुर्वे को उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए राज्यस्तरीय मंच पर सम्मानित किया गया। भोपाल में आयोजित अनुकंपा नियुक्ति आदेश वितरण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। धुर्वे को यह सम्मान विभागीय प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने और शासन की प्राथमिक एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मिला। उनके नेतृत्व में क्रमोन्नति, पदोन्नति और समयमान वेतनमान से जुड़े प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। प्रशासनिक दक्षता और कर्मचारियों से संबंधित मामलों को प्राथमिकता देने के प्रयासों की सराहना हुई। इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी शहडोल अतुल चौधरी, उमरिया के भूपेंद्र बरकड़े, अनूपपुर के तुलाराम आमो सहित संभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, प्राचार्यों और प्रधानाध्यापकों ने बधाई दी। विभागीय कार्यों को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने में स्थापना प्रभारी रावेन्द्र सिंह कंवर के योगदान को भी सराहा गया। इसे टीम भावना और बेहतर समन्वय का परिणाम बताया गया।

मेट्रो एंकर भारतीय कौरव बर्नी जिला प्रभारी, इंटरनेशनल योग मास्टर इंदु सिंह को तहसील की कमान, निशुल्क योग कक्षाएं और शिविर बढ़ाने पर जोर

नरसिंहपुर में योग का विस्तार करेगी महिला पतंजलि समिति, नए पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो महिला पतंजलि योग समिति, मध्य प्रदेश पूर्व की संगठनात्मक बैठक नरसिंहपुर में आयोजित हुई। इसमें जिले में योग के विस्तार, निशुल्क योग कक्षाएं शुरू करने और स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में मध्य प्रदेश पूर्व की राज्य प्रभारी डॉ. पुष्पांजलि शर्मा, राज्य कार्यकारिणी सदस्य पार्वती शर्मा और राज्य संवाद प्रभारी सुमन गुप्ता उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी संध्या कोठारी और भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निशा सोनी शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। अतिथियों का वैदिक परंपरा के अनुसार स्वागत कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधे भेंट किए गए। मुख्य सत्र में संगठन को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक



लोगों तक योग पहुंचाने की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। इस दौरान श्रीमती भारती कौरव को महिला पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी तथा इंटरनेशनल योग मास्टर सुशी इंदु सिंह को तहसील प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। योग के क्षेत्र में सक्रिय महिलाओं को मुख्य योग प्रशिक्षक के प्रमाण-पत्र देकर

सम्मानित किया गया। इंदु सिंह ने अतिथियों को अपनी स्वरचित पुस्तक ‘योगमय जीवन’ भेंट की। जिला महामंत्री सुष्मा मिश्रा के आभार प्रदर्शन के साथ बैठक संपन्न हुई। सभी ने घर-घर योग और आरोग्य का संदेश पहुंचाने का संकल्प लिया।

निशुल्क योग कक्षाओं और शिविरों का होगा विस्तार

महिला पतंजलि योग समिति की बैठक में जिले के अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने की योजना बनाई गई। राज्य प्रभारी डॉ. पुष्पांजलि शर्मा ने नई निशुल्क योग कक्षाएं शुरू करने, प्रशिक्षित योग शिक्षकों की संख्या बढ़ाने और व्यापक स्तर पर योग शिविर आयोजित करने पर जोर दिया। बैठक में कहा गया कि नियमित योगाभ्यास से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। संगठन की सक्रिय कार्यकर्ताओं के सहयोग से योग का संदेश जन-जन तक पहुंचाने और जिले के प्रत्येक घर को योग एवं आरोग्य अभियान से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

सात योग प्रशिक्षकों को प्रमाण-पत्र देकर किया सम्मानित

बैठक में योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को मुख्य योग प्रशिक्षक के प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। सम्मानित होने वालों में मनीषा पुरोहित, सुनीता शर्मा, सुधा तिवारी, कल्पना सोनी, सिंता श्रीवास, पूजा पटेल और नमिता कौरव शामिल रहीं। कार्यक्रम में जिला महामंत्री सुष्मा मिश्रा, योग शिक्षिका सुधा तिवारी, सुनीता शर्मा और सविता अग्रवाल सहित तहसील की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। इस अवसर पर इंटरनेशनल योग मास्टर इंदु सिंह ने अतिथियों को अपनी स्वरचित पुस्तक ‘योगमय जीवन’ भेंट की। बैठक का समापन योग और आरोग्य का संदेश हर घर तक पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

जबलपुर नगर निगम की खरीदी पर उठे सवाल कांग्रेस ने लगाया करोड़ों की गड़बड़ी का आरोप

जबलपुर। दोपहर मेट्रो भोपाल के बाद अब जबलपुर नगर निगम में भी खरीदी और आवंटन को लेकर कथित अनियमितताओं का मामला गरमा गया है। कांग्रेस पार्षद दल ने नगर निगम प्रशासन पर मशीनों, वाहनों की खरीदी और सरकारी दुकानों के आवंटन में गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पत्रकारवार्ता में नेता प्रतिपक्ष अमरीश दुबे, उपनेता प्रतिपक्ष शशुप्ता उस्मानी और सचेतक अयोध्या तिवारी ने 31 जनवरी 2025 को उठाए गए मामले का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन रोड स्वीपिंग मशीनों की कीमत करीब दो करोड़ रुपए होने के बावजूद इन्हें लगभग पौने 10 करोड़ रुपए में खरीदा गया।



कांग्रेस पार्षद दल ने पूर्व में खरीदी गई दो स्वीपिंग मशीनों की गुणवत्ता और वित्तीय अनियमितताओं पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं ने संबंधित मामलों की निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। पत्रकारवार्ता में शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाठी शर्मा, ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजय यादव सहित अन्य पार्षद मौजूद रहे।

भक्ति, भजन और गरबा महारास से गूंजेगा नरसिंहपुर, नेमा समाज मनाएगा निमी महाराज की जयंती

आज शरद पूर्णिमा पर पुलिस लाइन मढ़िया जी परिसर में होगा आयोजन

नरसिंहपुर। नेमा समाज नरसिंहपुर द्वारा समाज के आदिकुल प्रवर्तक श्री निमी जी महाराज की जयंती आज शरद पूर्णिमा के अवसर पर भव्यता और दिव्यता के साथ मनाई जाएगी। आयोजन मुशरान पार्क के पास स्थित पुलिस लाइन मढ़िया जी परिसर में होगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर हाल ही में मुकेश कुमार नेमा (सराफ) खुरपे वालों के निवास ‘श्री बालाजी विला’ में समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें उपस्थित सदस्यों के सुझावों के आधार पर सर्वसम्मति से कार्ययोजना तैयार कर जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक की अध्यक्षता समाज अध्यक्ष एडवोकेट रामगोपाल नेमा ने की। महासचिव विनीत रमेश नेमा ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। सहसचिव आशीष नेमा तुलसी ने बैठक का संचालन किया, जबकि उपाध्यक्ष अस्सु नेमा ने आभार व्यक्त किया। बैठक में मातृशक्ति सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। समाज ने सभी स्वजातीय बंधुओं से परिवार सहित पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने और अपनी संस्कृति व परंपराओं से जुड़ने की अपील की है। **यह रहेगा कार्यक्रम:** शाम 4:30 बजे संगीतमय सुंदरकांड पाठ, शाम 7 बजे महाआरती, 7:30 बजे भजन संध्या एवं गरबा महारास होगा। अंत में प्रसादी वितरण किया जाएगा।

मोतीनगर, शाहगढ़ पुलिस की कार्रवाई, 44 कार्टन-बॉक्स और 500 किलो पटाखे बरामद

पटाखों के अवैध कारोबार पर पुलिस का शिकंजा, लाखों का माल जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो दीपावली से पहले अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ सागर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। मोतीनगर और शाहगढ़ थाना क्षेत्रों में अलग-अलग कार्रवाई करते हुए पुलिस ने लाखों रुपए के पटाखे जब्त किए हैं। रिहायशी इलाकों और गोदामों में बिना वैध लाइसेंस पटाखे रखे जाने के मामले सामने आए हैं।

पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत मोतीनगर पुलिस ने 24 अक्टूबर को मुखबिर की सूचना पर धर्माश्री के पास स्थित आवासीय कॉलोनी के एक मकान में कार्रवाई की। यहां से रोशन केशरवानी के कब्जे से 29 कार्टून विभिन्न प्रकार के पटाखे बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 9 लाख रुपए बताई गई है। प्रारंभिक पूछताछ में पटाखे दीपावली पर बिक्री के लिए बिना लाइसेंस रखने की बात सामने आई।



शाहगढ़ में गोदाम से 2 लाख के पटाखे जब्त

एसडीओपी बंडा डॉ. रोहित लखेरा के शाहगढ़ क्षेत्र में अपराध समीक्षा के दौरान मुखबिर से अवैध पटाखों के भंडारण की सूचना मिली। इसके आधार पर शाहगढ़ पुलिस ने हनुमान टोरा स्थित एक गोदाम में जांच की। यहां बिना वैध लाइसेंस रखे गए पटाखों के 18 बॉक्स बरामद हुए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी रिजवान खान के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई शुरू की है। दीपावली के मद्देनजर पुलिस अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री पर नजर रख रही है, ताकि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

मकान के आसपास घनी आबादी और विद्युत ट्रांसफार्मर होने से सुरक्षा संबंधी चिंता भी जताई गई। इधर, शाहगढ़ पुलिस ने दो स्थानों पर कार्रवाई कर पटाखे

जब्त किए। पुलिस दोनों मामलों में वैधानिक कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, अवैध भंडारण और बिक्री पर निगरानी जारी रहेगी।

जमनेरा तिराहे से 500 किलो पटाखे बरामद

शाहगढ़ थाना क्षेत्र के जमनेरा तिराहे पर भी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पवन पिता दीपक ताम्रकार के कब्जे से पटाखों के 15 बोरे जब्त किए। जब्त पटाखों की मात्रा करीब 500 किलोग्राम और अनुमानित कीमत लगभग 3 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने मामले में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। दीपावली के दौरान पटाखों की मांग बढ़ने के साथ अवैध भंडारण और बिक्री की आशंका को देखते हुए पुलिस अभियान चला रही है। अधिकारियों का कहना है कि बिना वैध लाइसेंस पटाखे रखने और बेचने वालों पर निगरानी रखी जा रही है।

अमरकंटक में पश्चिम बंगाल की महिला पर्यटक से लूटपाट, धारदार हथियार से किया हमला

कपिलधारा-दूधधारा मार्ग पर वारदात, पर्स में मोबाइल और नकदी थी घायल महिला ने कराया उपचार, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो पवित्र नगरी अमरकंटक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कपिलधारा से दूधधारा जलप्रपात जाने वाले मार्ग पर महिला पर्यटक के साथ लूटपाट और धारदार हथियार से हमला करने की घटना सामने आई है। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर से आए आठ सदस्यीय परिवार की महिला के हाथों पर वार कर अज्ञात व्यक्ति पर्स छीनकर ले गया। घायल महिला का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक में उपचार कराया गया। घटना के बाद भयभीत परिवार अपने घर रवाना हो गया।

जानकारी के अनुसार, दुर्गापुर से आया परिवार 22 अक्टूबर को अमरकंटक पहुंचा था और गायत्री मंदिर में ठहरा हुआ था। परिवार के सदस्य देवाशीष नंदी अपनी पत्नी

देवजानी नंदी के साथ कपिलधारा और दूधधारा जलप्रपात देखने गए थे। दोपहर करीब तीन बजे दूधधारा से लौटते समय रास्ते में करीब 50 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें रोक लिया। महिला के मुताबिक, व्यक्ति ने काले रंग की शॉल ओढ़ रखी थी और उसके हाथ में हंसिए जैसा धारदार हथियार था। उसने पर्स छीनने के बाद महिला के हाथों पर वार कर दिया। पर्स में मोबाइल फोन और नकदी रखी थी।

घटना के बाद महिला ने पति को जानकारी दी। परिवार उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचा। पीड़िता ने बताया कि पुलिस को घटना की सूचना दी गई, लेकिन पश्चिम बंगाल से लंबी दूरी और दोबारा अमरकंटक आने में होने

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल इस घटना ने कपिलधारा-दूधधारा मार्ग पर पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समस्या, सीसीटीवी कैमरों की कमी और नियमित पुलिस गश्त को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए मार्ग पर गश्त बढ़ाने, संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, आपातकालीन सहायता केन्द्र और संपर्क नंबर उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है।

वाली परेशानी के कारण उन्होंने औपचारिक रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई।

अवैध उत्खनन : कर्मचारी पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश, छह पर केस दर्ज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो अवैध रेत उत्खनन को लेकर हुए विवाद में कंपनी कर्मचारी के साथ मारपीट और उस पर ट्रैक्टर चढ़ाकर जान से मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। देह्रात थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर छह आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर एक आरोपी को हिरासत में लिया है। घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, सिल्वर मिस्ट प्राइवेट लिमिटेड में पदस्थ अभिमन्यु सिंह (31) ने 23 अक्टूबर की देर रात शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि महिला जेल के पास कंपनी कर्मचारी मोहन सिकरवार के साथ आकाश पांडे, मोहित पासी, गोलू बररुआ, गोलू गौर, जितेंद्र उर्फ कलुआ और चंदू पासी ने लाठी-डंडों से मारपीट की। इसके बाद हरियाली तिराहे के पास मोहन पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया गया।



मामले में पुलिस ने ग्राम रायपुर निवासी ट्रैक्टर चालक जितेंद्र उर्फ कलुआ (19), पिता फदाली कहार, को अभिरक्षा में लिया है। सभी छह आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 109(1) और 3(5) के तहत केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

श्रीमती सुक्को बाई मेहरा का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

मुंगवानी। मुंगवानी निवासी श्रीमती सुक्को बाई मेहरा का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में शोक व्याप्त हो गया। वे सेवानिवृत्त शिक्षक हाकम सिंह मेहरा, सेवानिवृत्त जनपद पंचायत सीईओ मुंगाराम मेहरा, प्राचार्य फूल सिंह मेहरा और जालम सिंह मेहरा की माताजी थीं। सरल, सहज और मृदुभाषी स्वभाव की सुक्को बाई सभी के प्रति स्नेह रखती थीं। उनके निधन पर लोगों ने शोक व्यक्त कर दिवंगत आत्मा की शांति और शोककुल परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

आईपीएल 2027 से पहले मुंबई इंडियंस का बड़ा दांव, नीता अंबानी ने जताया भरोसा

कीरोन पोलार्ड बने हेड कोच, जयवर्धने की लेंगे जगह, खिलाड़ी बनकर जीते 5 खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी
इंडियन प्रीमियर लीग 2027 से पहले मुंबई इंडियंस ने अपनी टीम के नेतृत्व को लेकर बड़ा ऐलान किया है। फेंचाइजी ने वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड को टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया है। वह महिला जयवर्धने की जगह यह जिम्मेदारी संभालेंगे। मुंबई इंडियंस के साथ खिलाड़ी के रूप में पांच IPL खिताब जीतने वाले पोलार्ड अब कोच की भूमिका में टीम को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की कोशिश करेंगे।

16 साल से मुंबई इंडियंस परिवार का हिस्सा हैं पोलार्ड- कीरोन पोलार्ड का मुंबई

इंडियंस के साथ लंबा और सफल रिश्ता रहा है। खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने टीम की कई ऐतिहासिक जीत में अहम योगदान दिया। हाल के समय में वह फेंचाइजी के बैटिंग कोच की भूमिका निभा रहे थे। अब उन्हें हेड कोच बनाकर टीम ने उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताया है। फेंचाइजी के मुताबिक, पोलार्ड को मुंबई इंडियंस की टीम संस्कृति, काम करने के तरीके और बड़े मुकाबलों में दबाव से निपटने की अच्छी समझ है। टी20 क्रिकेट में लगातार बदलती रणनीतियों और प्रतिस्पर्धा के बीच उनका अनुभव टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

नीता अंबानी ने बताया खास फैसला

मुंबई इंडियंस की सह-मालकिन नीता मुकेश अंबानी ने पोलार्ड की नियुक्ति पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि पोलार्ड महज 22 साल की उम्र में मुंबई इंडियंस से जुड़े थे और पिछले 16 वर्षों में परिवार का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। नीता अंबानी के मुताबिक, खिलाड़ी के रूप में पोलार्ड ने टीम को कई यादगार पल दिए हैं। अब कोच के तौर पर वह अपने अनुभव, जुनून और खेल की गहरी समझ को खिलाड़ियों के साथ साझा करेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि पोलार्ड नई जिम्मेदारी में भी पूरी प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के साथ काम करेंगे।

पोलार्ड बोले- एमआई मेरी जिंदगी और करियर का अहम हिस्सा



हेड कोच बनने के बाद कीरोन पोलार्ड ने कहा कि मुंबई इंडियंस की जिम्मेदारी संभालना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी और फिर कोच के रूप में इस सफर का हिस्सा रहने से उन्हें समझ आया है कि मुंबई इंडियंस किस चीज का प्रतिनिधित्व करती है। पोलार्ड ने नीता अंबानी, आकाश अंबानी और पूरी मुंबई इंडियंस फैमिली का भरोसा जताने के लिए आभार व्यक्त किया।

IPL 2027 में नई रणनीति के साथ उतरेगी टीम

पोलार्ड की नियुक्ति को मुंबई इंडियंस के अगले अध्याय की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। टीम को उनसे खिलाड़ियों के अनुभव का बेहतर इस्तेमाल करने और टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों के अनुसार रणनीति तैयार करने की उम्मीद होगी। अब नजर इस बात पर रहेगी कि पोलार्ड की कोचिंग में मुंबई इंडियंस IPL 2027 में कैसा प्रदर्शन करती है।

सिलिकॉन वैली ओपन

अनाहत का सेमीफाइनल में सफर समाप्त, मलयेशिया की शिवसांगरी से मिली हार



रेडवुड सिटी। सिलिकॉन वैली ओपन के सेमीफाइनल में मलयेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से हारकर भारतीय स्टार अनाहत सिंह का सफर समाप्त हो गया। अनाहत को शिवसांगरी से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। अनाहत सिंह ने मलयेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ जोरदार शुरुआत की और पहला गेम 11-5 से जीत लिया। हालांकि, इसके बाद सुब्रमण्यम ने अपने खेल का स्तर बढ़ाया और 37 मिनट तक चले मुकाबले को 11-5, 6-11, 4-11, 7-11 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह अनाहत की मलयेशियाई खिलाड़ी से कुल मिलाकर चौथी और प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) दूर पर तीसरी हार थी। सुब्रमण्यम ने आइवी-नागोया में 2026 एशियन गेम्स के महिला एकल फाइनल में भी भारतीय खिलाड़ी को हराया था। अनाहत को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था। हालांकि, एशियन गेम्स में एकल स्क्वैश फाइनल में सिल्वर जीतने वाली अनाहत पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थीं।

अनाहत के लिए शानदार रहा साल
अनाहत के लिए साल 2026 बेहद खास रहा है। उन्होंने 2026 वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में रॉस सिंगल्स का टाइटल जीता और यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उन्होंने एशियन गेम्स 2026 में सिल्वर पदक जीतकर इस इवेंट में पहली भारतीय महिला होने का गौरव हासिल किया था। अनाहत ने इससे पहले हांगझोऊ में 2023 एशियन गेम्स में विमेंस टीम और मिक्स्ड डबल्स कॉम्पिटिशन में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

तनुश्री दत्ता के व्यवहार पर हेतल यादव का बड़ा दावा, बोलीं- सेट पर नहीं करती थीं सहयोग

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता एक बार फिर अपने पुराने फिल्मी अनुभवों को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री और कोयोग्राफर हेतल यादव ने उनके साथ काम करने के अनुभव साझा करते हुए उनके व्यवहार को गैर-पेशेवर बताया है। हेतल के मुताबिक, उन्होंने तनुश्री और उनकी छोटी बहन इशिता दत्ता, दोनों के साथ काम किया है, लेकिन तनुश्री के साथ उनका अनुभव अच्छा नहीं रहा। हेतल यादव ने बताया कि उन्होंने तनुश्री दत्ता के साथ फिल्म 'अपार्टमेंट' में काम किया था। इस फिल्म के तीन गानों में वह शामिल थीं। उनके अनुसार, शूटिंग के दौरान तनुश्री को निर्देश समझाने में परेशानी होती थी और कई बार वह नाराज भी हो जाती थीं। हेतल ने एक रोमांटिक गाने का जिक्र करते हुए कहा कि तनुश्री को कुछ दृश्यों में शारीरिक संपर्क को लेकर आपत्ति थी। उनके मुताबिक, इन



परिस्थितियों के कारण शूटिंग के दौरान दिक्कतें आती थीं और निर्माता-निर्देशक भी परेशान होते थे। **करियर कोई नहीं छीन सकता:** हेतल- तनुश्री दत्ता के इस दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कि उन्हें फिल्मी परियोजनाओं से बाहर किया गया और उनका करियर प्रभावित किया गया, हेतल ने कहा कि किसी कलाकार से कुछ परियोजनाएं छिन सकती हैं, लेकिन इससे पूरा करियर खत्म होना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके विचार में कलाकार का काम के प्रति समर्पण और व्यवहार भी उसके पेशेवर जीवन में अहम भूमिका निभाते हैं। हेतल ने यह भी कहा कि यदि निर्माता किसी कलाकार को परियोजनाओं के लिए संपर्क नहीं करते, तो उसके पीछे कई कारण हो सकते हैं।

गोविंदा का उदाहरण देकर रखी अपनी बात

बातचीत के दौरान हेतल ने अभिनेता गोविंदा का उदाहरण भी दिया। उन्होंने गोविंदा की अभिनय क्षमता की तारीफ करते हुए कहा कि किसी कलाकार की आदतों और व्यवहार का उसके जीवन पर सकारात्मक या नकारात्मक असर पड़ सकता है। उनके अनुसार, लगातार एक जैसा व्यवहार सामने आने पर लोगों की धारणा भी बनती है। जब हेतल से तनुश्री दत्ता और नाना पाटेकर से जुड़े पुराने विवाद के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि वह उस घटना की प्रत्यक्ष गवाह नहीं थीं। उन्होंने कहा कि जब उन्हें घटना के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, तो वह इस पर कोई फैसला नहीं दे सकतीं।

मां बनने के बाद करिश्मा को आई पुराने फिगर की याद बोलीं- कभी-कभी नहीं करता तैयार होने का मन

उन्होंने स्वीकार किया कि कभी-कभी खरीदारी करना थकाऊ लगता है और तैयार होने का भी मन नहीं करता। अभिनेत्री ने खुद को याद दिलाया कि उनके बच्चे के जन्म को अभी केवल ढाई महीने हुए हैं। ऐसे में शरीर से तुरंत पहले जैसी स्थिति में लौटने की उम्मीद करना उचित नहीं है। **‘मेरा शरीर एक नई जिंदगी को दुनिया में लाया’-** करिश्मा ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए लिखा कि उनका शरीर एक नन्हे इंसान को जगह देने और उसे दुनिया में लाने के



लिए बदला है। उन्होंने कहा कि एक महिला अपने शरीर के प्रति आभारी होने के साथ-साथ उसमें आए बदलावों को लेकर परेशान भी हो सकती है। अभिनेत्री के मुताबिक, मां बनने के अनुभव से प्यार करना और अपने पुराने रूप को याद करना, दोनों भावनाएं एक साथ मौजूद हो सकती हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। करिश्मा ने कहा कि अब वह खुद को कम आलोचनात्मक नज़रिए से देखने और अपने प्रति अधिक दयालु बनने की कोशिश कर रही हैं।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई ने अपने सबसे उन्नत एआई मॉडल्स को लाइव इंटरनेट एक्सेस के बिना प्रशिक्षित करने का फैसला किया है। कंपनी का कहना है कि एआई एलाइनमेंट रिसर्च, निगरानी प्रणालियों और इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर सुरक्षा से जुड़ी मौजूदा सीमाओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। ओपनएआई के अनुसार, यह नीति पहले ही लागू की

उन्नत एआई मॉडल अब बिना इंटरनेट एक्सेस के होंगे प्रशिक्षित

जा चुकी है और तब तक जारी रहेगी, जब तक सुरक्षा उपाय इतने मजबूत नहीं हो जाते कि फ्रंटियर एआई मॉडल्स को व्यापक इंटरनेट एक्सेस सुरक्षित रूप से दिया जा सके। कंपनी ने अपने ब्लॉग पोस्ट में कहा कि इंटरनेट कनेक्टिविटी मॉडल्स को वेब ब्राउजिंग और ऑनलाइन कौशल सिखाने में मदद करती है, लेकिन इससे ऐसे उन्नत एआई एजेंट्स के लिए भी अवसर पैदा हो सकते हैं जो अपने निर्धारित दायरे से बाहर जाकर अन्य प्रणालियों को प्रभावित करने की कोशिश करें। ओपनएआई ने खुलासा किया कि 2 सितंबर को

उसके एक आंतरिक रिसर्च मॉडल ने सिस्टम की एक गलत कॉन्फिगरेशन का फायदा उठाकर सीमित इंटरनेट एक्सेस हासिल कर लिया था। इसके बाद कंपनी ने अपने सबसे उन्नत मॉडल्स की ट्रेनिंग और मूल्यांकन प्रक्रियाओं को अस्थायी रूप से रोक दिया था। अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू करने और रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यापक समीक्षा के बाद ओपनएआई ने 1 अक्टूबर को फ्रंटियर मॉडल्स की ट्रेनिंग फिर से शुरू की। इस दौरान कंपनी ने ऐसे संभावित सुरक्षा जोखिमों की पहचान के लिए विशेष परीक्षण अभियान भी चलाया है।

धनतेरस-दिवाली ऑफर: सोने के गहनों पर मेकिंग चार्ज में छूट, 50 करोड़ तक इनाम भी

नई दिल्ली। धनतेरस और दिवाली पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। त्योहारों पर खरीदारी के इस मौके को भुजाने के लिए ज्वेलरी कंपनियां भी आकर्षक ऑफर लेकर आई हैं। इसमें मेकिंग चार्ज पर 40 फीसदी तक छूट के साथ हीरे के मूल्य पर 50 तक डिस्काउंट शामिल है। **कल्याण ज्वैलर्स: 50 करोड़ रुपये के इनाम:** कल्याण ज्वैलर्स मेकिंग चार्ज पर 40 फीसदी तक छूट दे रहा है। पुराने सोने को बदलने पर भी कोई कटौती नहीं होगी। ग्राहक 25 फीसदी एडवांस देकर धनतेरस के लिए गहने बुक करा सकते हैं और गोल्डरेट प्रोटेक्शन का लाभ ले सकते हैं। कंपनी ने 50 करोड़ रुपये के इनाम का एलान किया है। नकद इनाम में एक मेगा विजेता को एक करोड़ रुपये, 25 को 5-5 लाख और 100 को 1-1 लाख रुपये मिलेंगे। **इंद्रिया: हीरे के मूल्य पर 50 तक छूट:** आदित्य बिड़ला समूह का इंदिया ब्रांड पुराने सोने को बदलने पर बिना कटौती



की सुविधा दे रहा है। सोने के गहनों के मेकिंग चार्ज पर 30 फीसदी तक और डायमंड वैल्यू पर 50 फीसदी तक छूट है। **तनिक में 20 फीसदी तक की बचत-**तनिक का दशहरा-धनतेरस ऑफर 10 अक्टूबर से 8 नवंबर 2026 तक है। इसमें सोने के गहनों के मेकिंग चार्ज पर 20 फीसदी तक की छूट है। इसके अलावा, सोने के आभूषणों पर 301 रुपये प्रति ग्राम की छूट मिल रही है। चूर्निदा हीरे और रत्न जड़ित गहनों पर डायमंड वैल्यू में 20 से 35 तक की छूट है। आठ लाख रुपये या उससे ज्यादा की खरीद पर मेकिंग चार्ज में 30-35 तक की छूट भी मिलेगी। **मालाबार गोल्ड- मेकिंग चार्ज और हीरे पर छूट:** मालाबार गोल्ड एंड डायमंड के त्योहारी अभियान के तहत सोने, बिना तराशे और रत्नों वाले आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर 30 फीसदी तक छूट मिल रही है। हीरे के मूल्य पर भी 30 फीसदी तक की छूट है।

न्यूज विंडो

पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़, 1 लाख का इनामी बदमाश गिर तार नई दिल्ली।

तड़के साउथ दिल्ली का इलाका गोलियों की तड़तड़ाहट से सहम उठा। दिल्ली पुलिस ने एक लाख के इनामी बदमाश का एनकाउंटर किया है। एनकाउंटर के दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी है। इस बदमाश पर पहले से ही कई मुकदमे दर्ज हैं। यह एनकाउंटर मैदानगढ़ी थाना क्षेत्र में हुआ। एनकाउंटर के दौरान बदमाश के घायल होने की खबर है। बताया जाता है कि उसके पैर में गोली लगी है। इस बदमाश को पुलिस डकैती के केस में तलाश रही थी। एनकाउंटर के दौरान बदमाश की ओर से की गई फायरिंग में पुलिसकर्मों बाल-बाल बच गए। बदमाश का नाम स्वान उर्फ सवान मुखर मामा है।

बिहार: मुठभेड़ में अंजनी हत्याकांड के मु्य आरोपी के पैर में मारी गोली



पटना। बिहार की राजधानी पटना में बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के कल्याण बीघा रोड पर पुलिस और हथियारबंद अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान हत्या के मामले में मुख्य आरोपी सौरभ सिंह के पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से उसे पटना रेफर कर दिया गया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से दो पिस्टल, दो मैगजीन और 14 कारतूस बरामद किए हैं। घटना में एक महिला सब-इंस्पेक्टर को भी हल्की चोट आई है। जानकारी के अनुसार, रामकृष्ण नगर थाने की पुलिस ने सितंबर में गैराज संचालक अंजनी की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

अवैध रूप से रह रही बांग्लादेशी महिला डिपोर्ट, फर्जी दस्तावेज की जांच शुरू दुर्ग।

दुर्ग जिले में अवैध रूप से रह रही बांग्लादेशी नागरिक रीना अख्तर को भारत से डिपोर्ट कर दिया गया है। दुर्ग पुलिस की विशेष कार्यबल (एसटीएफ) टीम ने पश्चिम बंगाल में इंटेलिजेंस ब्यूरो और सीमा सुरक्षा बल के सहयोग से यह समन्वित कार्रवाई पूरी की। पुलिस प्रशासन ने नियमानुसार पूरी प्रक्रिया का पालन करते हुए 23 अक्टूबर 2026 को इस महिला को देश से बाहर भेजने का कार्य संपन्न किया। दुर्ग पुलिस अधिकारियों के अनुसार रीना अख्तर के मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद एसटीएफ दल को पश्चिम बंगाल भेजा गया था। वहां केंद्रीय इंटेलिजेंस ब्यूरो और सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों के साथ मिलकर निष्कासन की कार्रवाई की गई। इस पूरे अभियान में अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिला।

अटारी बॉर्डर पर हेरोइन और हथियार बरामद: सीमा पार से आई थी सप्लाई

अमृतसर। एजेंसी भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे अटारी क्षेत्र में पुलिस ने एक किलो से अधिक हेरोइन बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, हेरोइन की यह खेप पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये मंगवाई गई थी। थाना धरिंडा पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। मौके से हेरोइन की पैकिंग में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी बरामद की गई। एसएसआई मेजर सिंह के मुताबिक, वह पुलिस पार्टी के साथ धरिंडा चौक में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि अज्ञात व्यक्ति ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये हेरोइन मंगवाई है और इसकी खेप अटारी गांव के पास खेतों में पड़ी है। तुरंत मौके पर

सीमा चौकी के पास दो पिस्टौल बरामद वहीं, सीमा चौकी (बीओपी) के पास सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने दो पिस्टौल बरामद की है। बीएसएफ की 181वीं बटालियन की ए कंपनी को सूचना मिली थी कि ड्रोन के जरिए सीमा पार से हथियार भेजे गए थे। इसी के तहत सर्च किया गया तो तलाशी के दौरान दो 9म।19 एमएम जिगाना पिस्टौल और दो मैगजीन बरामद हुईं। मैगजीन टूटी हुई हालत में थीं।

जाकर सर्च किया गया और वहां से एक किलो 930 ग्राम का पैकेट बरामद किया गया।

1000 गिरफ्तार: फ्रांस में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतरे लाखों लोग, पेरिस में पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी



फ्रांस में महंगाई, स्कूलों की बदहाली और पुलिस की सख्ती के खिलाफ शनिवार को लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। पेरिस समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पेरिस में मार्च के अंत में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस छोड़ी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में करीब 1,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सरकारी आकड़ों के मुताबिक प्रदर्शनों में करीब 4 लाख लोग शामिल हुए। दूसरी तरफ ट्रेड यूनियनों ने 8 लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया। पेरिस में करीब 1.10 लाख लोगों ने मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने महंगाई, सरकार की पुलिस व्यवस्था और स्कूलों में सुविधाओं की कमी के खिलाफ आवाज उठाई। उनके हाथों में ऐसे बैनर थे, जिन पर लिखा था- ‘दमन से विद्रोह पैदा होता है’ और ‘प्रदर्शन करना हमारा अधिकार है’। शुरुआत में प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। इसमें छात्र, अभिभावक और बुजुर्ग भी शामिल हुए। हालांकि, मार्च खत्म होने के दौरान कुछ नकाबपोश लोगों ने पुलिस पर पत्थर और कांच की बोललें फेंकीं। कुछ जगह कूड़ानों में आग लगाई गई और पुलिस की ओर पटाखे फेंके गए। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस, वाटर कैनन और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ पर लाठीचार्ज भी किया।

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा-

‘भारत की पहुंच से दूर नहीं दुश्मन का कोई भी ठिकाना’, ऑपरेशन सिंदूर ने साबित किया

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पश्चिमी मोर्चे पर किए गए सटीक और नपे-तुले हमलों ने यह साबित कर दिया है कि अब कोई भी लक्ष्य वायुसेना की पहुंच से बाहर नहीं है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, उन्होंने इस आतंकवाद-रोधी कार्रवाई को वायुसेना की क्षमता-केंद्रित रणनीति की बड़ी सफलता बताया। वायुसेना प्रमुख ने रेखांकित किया कि पश्चिमी सीमा पर संचालित यह सैन्य अभियान लगभग 1200 किलोमीटर की चौड़ाई और 200 किलोमीटर की गहराई तक फैला हुआ था, जिसमें भारतीय जांबाजों ने दुश्मन के ठिकानों पर बेहद सटीक और मारक प्रहार किए। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने देश के प्राथमिक जवाबी रक्षक और एक मजबूत रणनीतिक निवारक के रूप में वायु शक्ति की निर्णायक भूमिका को एक बार फिर से पूरी दुनिया के सामने साबित कर दिया है।



ऑपरेशन सिंदूर से या मिली रणनीतिक सबक?

चार दिनों तक चले इस अभियान की अगुवाई करने वाले एयर चीफ मार्शल ने आगाह किया कि इस सफलता के बाद सेना को लापरवाह नहीं होना चाहिए, बल्कि अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन से सबसे बड़ा सबक यह मिला कि हमें हमेशा कई विकल्प खुले रखने चाहिए और दुश्मन के दांव-पेंच बदलते ही तेजी से रणनीति में बदलाव करने में सक्षम होना चाहिए।

पहलगाम हमले का करारा जवाब

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था, जिसके तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले इलाकों में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए गए। यह 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के बाद सीमा पार भारत की सबसे साहसिक सैन्य कार्रवाई थी। इस दौरान भारत ने 9 प्रमुख आतंकी अड्डों को निशाना बनाया। पाकिस्तान द्वारा आतंकी संगठनों को पनाह देना जारी रखने पर वायुसेना ने उसके सैन्य ठिकानों पर प्रहार किया, जो रावलपिंडी जैसे सैन्य मुख्यालय के बेहद करीब तक पहुंचे।

स्वदेशी हथियारों का दमदार प्रदर्शन

वायुसेना प्रमुख ने बताया कि भारत में विकसित कुछ हथियार प्रणालियों ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए दुश्मन के इलाके में गहराई तक गंभीर चोट पहुंचाई। इसके साथ ही भारतीय वायुसेना ने पूरे अभियान के दौरान आम नागरिकों या जीरो कोलेटरल डैमेज के अपने संकल्प का पूरी तरह पालन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान की सफलता किसी एक हथियार या लड़ाकू विमान की वजह से नहीं, बल्कि सटीक खुफिया जानकारी, सटीक मारक क्षमता वाले हथियारों और मजबूत एयर डिफेंस के संयुक्त तालमेल से हासिल हुई।

अमेरिका: फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी में चलीं गोलियां, छह बच्चों समेत 12 घायल

फ्लोरिडा। एजेंसी

अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के टालाहैसी में फ्लोरिडा एंजंअम यूनिवर्सिटी के पास शनिवार को गोलीबारी की घटना हुई। इसमें छह बच्चों समेत कम से कम 12 लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना विश्वविद्यालय के फुटबॉल स्टेडियम के पास हुई। उस समय विश्वविद्यालय में होमकामिंग वीकेंड के कार्यक्रम चल रहे थे। टालाहैसी के पुलिस प्रमुख लॉरेंस रेवेल ने पत्रकारों को बताया कि घटना के सिलसिले में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि गोलीबारी से पहले वहां झगड़ा हुआ था। यह घटना फुटबॉल मैच के बाद भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई।

12 लोगों को लगी गोली

पुलिस ने बताया कि घायलों में से 12 लोगों को गोली लगी है। कम से कम तीन लोगों को गंभीर चोट आई है। अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय ने सोशल मीडिया पर बताया कि गोलीबारी उसके परिसर के पास हुई थी। साथ ही कहा कि विश्वविद्यालय परिसर सुरक्षित है।

रात में जारी किया गया सुरक्षा अलर्ट

फ्लोरिडा एंजंअम यूनिवर्सिटी ने शनिवार, 24 अक्टूबर को रात 8:45 बजे से पहले अलर्ट जारी किया। इसमें टालाहैसी के ब्रेग स्टेडियम के पास मौजूद लोगों को पुलिस की कार्रवाई के बीच सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी गई। इसके बाद फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी ने रात 10 बजे टालाहैसी परिसर के लिए आपात संदेश जारी किया। इसमें छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों से घरों या इमारतों के अंदर रहने और सतर्क रहने को कहा गया। पुलिस फ्लोरिडा एंजंअम यूनिवर्सिटी के ब्रेग स्टेडियम के पास हुई गोलीबारी की जांच कर रही थी। फ्लोरिडा एंजंअम यूनिवर्सिटी ने फेसबुक पर शुरुआती संदेश में कहा, ‘एफएएमयू अलर्ट: ब्रेग स्टेडियम और पैरी स्ट्रीट के पास पुलिस की कार्रवाई जारी है। इलाके से दूर रहें या आसपास होने पर सुरक्षित स्थान पर रहें।’

रेवाड़ी-नारनौल हाईवे पर ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

रेवाड़ी (हरियाणा)। एजेंसी

रेवाड़ी-नारनौल हाईवे पर कुंड चौकी के समीप शनिवार देर रात ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव अहरोद निवासी 36 वर्षीय जितेंद्र उर्फ टीकू के रूप में हुई है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक को पकड़ लिया और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हाईवे पर जाम लगा दिया। पुलिस ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद लोगों को समझाकर जाम खुलवाया। जितेंद्र एक निजी कंपनी में काम करता था। शनिवार देर रात ड्यूटी समाप्त करने के बाद वह बाइक से अपने घर लौट

रहा था। ट्रक चालक को एम्स जाना था, लेकिन रास्ता भटकने के कारण वह कुंड चौकी के पास पहुंच गया। आगे निकल आने का अहसास होने पर चालक ट्रक को मोड़ने लगा। इसी दौरान बाइक ट्रक की चपेट में आ गई। हादसे में जितेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक को पकड़ लिया। लोगों ने आरोप लगाया कि चालक ने शराब पी रखी थी। साथ ही, उन्होंने आरोप लगाया कि हादसे के बाद शुरुआत में पुलिस ने चालक को मौके से जाने दिया। इसी बात को लेकर लोगों में रोष फैल गया और उन्होंने रेवाड़ी-नारनौल हाईवे पर जाम लगा दिया।

मेट्रो एंकर

गरीबों का सहारा बनी ‘निवोलुमब’, 1 लाख की दवा 30 हजार में

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में कैंसर के इलाज को लेकर एक बहुत बड़ी और सकारात्मक बदलाव की शुरुआत हुई है। पिछले छह महीनों में देश के अधिक से अधिक कैंसर मरीजों को ‘इम्यूनोथेरेपी’ लिखी जा रही है। आधुनिक कैंसर चिकित्सा का यह एक बेहद प्रभावी तरीका है, जो अब तक अपनी आसमान छूती कीमतों के कारण आम मरीजों की पहुंच से बाहर था। हालांकि यह बदलाव मुख्य रूप से ‘निवोलुमब’ नामक एक प्रमुख इम्यूनोथेरेपी दवा के सस्ते वर्जन बायोसिमिलर के बाजार में आने की वजह से संभव हुआ है। टाटा मेमोरियल सेंटर (ब्रिस्टल) के डॉक्टरों के मुताबिक, यह दवा लगभग 25 प्रकार के ट्यूमर और करीब 100 तरह के कैंसर में प्रभावी है।

कैंसर के इलाज में बायोसिमिलर इम्यूनोथेरेपी दवा आने से राहत



जानलेवा बीमारियों पर असर

टाटा मेमोरियल अस्पताल (परेल) के मेडिकल ऑनोलॉजी हेड डॉ. कुमार प्रभास के अनुसार, रिकन कैंसर जैसे मामलों में पहले जहां 100 में से बमुश्किल 5 मरीज ही लंबे समय तक जीवित बच पाते थे, वहीं अब इम्यूनोथेरेपी के बाद यह जीवित रहने की दर बढ़कर 50% तक हो गई है। इसके अलावा, एडवांस फेजों के कैंसर के मरीज भी अब 5 साल या उससे अधिक समय तक जीवित रह रहे हैं। कोलन कैंसर के शुरुआती मामलों में अब कीमोथेरेपी और सर्जरी के बिना केवल इम्यूनोथेरेपी से ही मरीज का प्राकृतिक अंग सुरक्षित रखते हुए इलाज संभव हो पा रहा है।

ऐसे कम हो सकेगा इलाज का खर्च कम

इसके अलावा, भारतीय शोध ने यह भी दिखाया है कि कुछ मामलों में कम खुराक भी भारतीय मरीजों पर बेहतरीन असर दिखाती है, जिससे इलाज का खर्च और कम हो सकता है। अंधेरी के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल के डॉ. इमरान शेख का कहना है कि सस्ती दवा आने के बाद पिछले छह महीनों में उनके द्वारा लिखी जाने वाली इन प्रिस्क्रिप्शंस में 50% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। डॉ. शेख का कहना है कि जिन मरीजों को एक लाख रुपये से ज्यादा का एक साइकिल खर्च उठाने में संकोच होता था, वे अब 30000 रुपये की नई कीमत पर इलाज कराने में सहज हैं।

इलाज की पहुंच में अंतर

साल 2022 के एक अध्ययन के अनुसार, तब इम्यूनोथेरेपी के योग्य कुल मरीजों में से मात्र 2.8% को ही यह इलाज मिल पा रहा था। लेकिन अब इसमें भारी उछाल आया है।

अभी भी चुनौतियां बाकी

इस मामले में अभी भी मरीजों के लिए कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं। चुनौती यह है कि क्या मरीजों को पूरा फायदा मिल पाएगा? इस बात के जवाब में डॉ. शेख का कहना है कि भारत में अभी केवल 7 चेकपॉइंट इनिहबिटर दवाएं उपलब्ध हैं।

जम्मू-कश्मीर: बांदीपोरा में कट्टरपंथी नेटवर्क का भंडाफोड़

श्रीनगर। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बांदीपोरा जिले में जेल से संचालित कट्टरपंथी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह मॉड्यूल प्रतिबंधित संगठन इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन से जुड़ा था और महिलाओं के माध्यम से अलगाववादी विचारधारा तथा प्रचार सामग्री फैलाने की कोशिश कर रहा था। मामले में चार महिलाओं समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शुरुआती जांच में पाकिस्तान स्थित एक हैडलर के निर्देश पर नेटवर्क के संचालन की बात सामने आई है। जांच के दौरान जेल के भीतर से समन्वय, गुप्त बैठकों और अलगाववादी विचारधारा के प्रचार के लिए कथित गतिविधियों के साथ-साथ सदिग्ध वित्तीय लेनदेन का भी पता चला है। इस मामले में बांदीपोरा पुलिस थाने में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान मुबीना बानो, खुशबू जान, महक जान और आरिया जान के रूप में हुई है।